Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रुड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा, राजस्थान, पंजाब, बहराइच, रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874
नये भारत की नई सोच

वर्षः 07 अंकः 247 | बुधवार, 16 सितम्बर-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

न्यायपालिका को भ्रष्टाचार और आलोचना जैसे मुद्दों से नहीं भागना चाहिएः सीजेआई

आम जनता के भरोसे पर सीजेआई सूर्यकांत बोले- फैसला पसंद आए ये जरूरी नहीं

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने सोमवार को कहा कि न्यायपालिका पर जनता का भरोसा, लोगों की मंजूरी से अलग है। उन्होंने कहा कि लोगों की पसंद के फैसले देने से भरोसा नहीं बनता बल्कि निष्पक्ष तरीके से न्याय करने से जनता का विश्वास कायम होता है। सीजेआई ने यह भी कहा कि अदालतों को जांच, सवाल और जरूरत पड़ने पर आलोचना के लिए तैयार रहना चाहिए।

कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे और महेश जेठमलानी ने न्यायपालिका में प्रशासनिक सुधारों की जरूरत पर चिंता जताई। उन्होंने जजों की नियुक्ति समेत न्यायपालिका के सामने मौजूद चुनौतियों से निपटने के लिए सुधारों की आवश्यकता पर जोर दिया। इस पर सीजेआई ने कहा कि सुधार व्यवस्था का हिस्सा होना चाहिए और कोई भी संस्था स्थिर रहकर लंबे समय तक ना तो टिक सकती है और ना ही इस बात पर गर्व कर सकती है कि उसमें कोई बदलाव नहीं हो रहा।

उन्होंने शिकायतों के गलत इस्तेमाल की आशंका भी जताई। सीजेआई ने कहा कि अगर हर फैसले पर शिकायत की अनुमति हो तो कोई भी न्यायिक अधिकारी जब अंतरिम आदेश देता है, किसी मामले की सुनवाई टालता है या अंतिम फैसला सुनाता है तो हर चरण पर शिकायत हो सकती है। उन्होंने कहा कि यह गंभीर चर्चा का विषय है कि क्या हर शिकायत को सार्वजनिक मंच या वेबसाइट पर डालना चाहिए। या फिर इसके लिए एक मजबूत आंतरिक व्यवस्था होनी चाहिए जो पूरी निष्पक्षता और जिम्मेदारी के साथ शिकायतों पर फैसला करे। सीजेआई ने कहा कि ऐसी व्यवस्था पहले से मौजूद है। लेकिन उसमें भी समय-समय पर सुधार और बेहतर काम करने की गुंजाइश हमेशा रहती है। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि अदालत में पारदर्शिता का मतलब सिर्फ खुले दरवाजे और सार्वजनिक सुनवाई नहीं है। हालांकि ये भी इसका हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता का असली मतलब यह है कि अदालत के फैसले के पीछे क्या वजह है, इसे कोई भी व्यक्ति समझ और जांच सकता है। इसमें वह पक्ष भी शामिल है जिसके खिलाफ फैसला आया है। उन्होंने कहा कि अगर कोई अदालत सिर्फ अपना फैसला सुनाती है।

कॉलेजियम सिस्टम पर क्या बोले सीजेआई

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि कुछ ऐसे मुद्दे भी होते हैं जिन पर सार्वजनिक मंच से जवाब देना उचित नहीं होता। उन्होंने कहा कि कॉलेजियम सिस्टम कैसे बना और अब तक किस तरह काम करता रहा है, इन सवालों के उनके पास कानूनी और ऐतिहासिक जवाब हैं। उन्होंने कहा कि कॉलेजियम की सिफारिशों पर केंद्र सरकार की ओर से जजों की नियुक्ति में आमतौर पर कोई बड़ी रुकावट नहीं आती। उनके मुताबिक, यह खुद बताता है कि कॉलेजियम में किस तरह चर्चा होती है और आखिर में सिफारिशें कैसे तय की जाती हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि सुधार का स्वागत होना चाहिए। जजों के खिलाफ शिकायतों से निपटने के लिए प्रशासनिक सुधारों पर सीजेआई ने कहा, 'मुख्य न्यायाधीश के तौर पर मैं पूरे भरोसे के साथ कह सकता हूं कि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट ने जो व्यवस्था बनाई है, वह मजबूत, जवाबदेह और समय पर कार्रवाई करने वाली है।'

यूपीआई लेनदेन पर शुल्क की तैयारी का आरोप, राहुल गांधी बोले- अमेरिकी दबाव में झुकी सरकार

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मंगलवार को आरोप लगाया कि यूपीआई लेनदेन पर शुल्क लगाने की तैयारी की जा रही है और ''कॉम्प्रोमाइज्ड'' (समझौता कर चुके) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने व्यापार समझौते की तरह इस मामले में भी अमेरिका के सामने समर्पण कर दिया है। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने यह दावा भी किया कि 2,000 रुपये से अधिक के व्यापारिक यूपीआई लेनदेन की संख्या भले ही करीब पांच प्रतिशत हो, लेकिन यूपीआई के कुल लेनदेन मूल्य में इनकी हिस्सेदारी करीब 65 प्रतिशत है तथा उसका बोझ अंततः कीमतों में बढ़ोतरी के जरिये ग्राहकों की जेब पर ही पड़ेगा। सरकार ने बैंकों और भुगतान प्रणाली प्रदाताओं को 2,000 रुपये तक के यूपीआई लेनदेन या रुपे डेबिट कार्ड के जरिये किए गए भुगतान पर कोई शुल्क न लगाने का निर्देश दिया है। सरकारीएजेंसियां सरकार ने हालांकि, यह स्पष्ट नहीं किया कि 2,000 रुपये से अधिक के लेनदेन पर शुल्क लागू होगा या नहीं और इसका भुगतान व्यापारियों को करना होगा या नहीं। अभी तक किसी भी राशि के यूपीआई लेनदेन पर कोई शुल्क नहीं लगता है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने इसको लेकर 'एक्स' पर पोस्ट किया, '' सरकार का कहना है कि ग्राहक से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा, लेकिन दुकानदार पर लगने वाली फीस आखिर आएगी कहां से? कीमतों में जुड़कर ग्राहक की जेब से। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिकी भुगतान कंपनियां लंबे समय से भारत की शून्य एमडीआर नीति का विरोध करती रही हैं और अब मोदी सरकार ने ठीक उसी दिशा में नीति बदलने का रास्ता खोल दिया है। गांधी ने कहा, ''अमेरिका के साथ व्यापार समझौते की तरह ही, कॉम्प्रोमाइज्ड (समझौता कर चुके) प्रधानमंत्री मोदी एक बार फिर अमेरिकी दबाव के सामने समर्पण कर रहे हैं।'' उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि ग्राहक से सीधे शुल्क नहीं लिए जाने के बावजूद व्यापारी पर पड़ने वाला अतिरिक्त बोझ अंततः उपभोक्ताओं पर ही डाला जाएगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी यूपीआई शुल्क को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि सरकार ने ''यूपीआई पर कोई शुल्क नहीं'' की व्यवस्था को बदलकर दो हजार रुपये तक के यूपीआई लेनदेन पर शुल्क नहीं लगाने की दिशा में कदम बढ़ाया है। खरगे ने दावा किया कि पांच हजार रुपये

चेन्नई में बोलीं निर्मला सीतारमण, जेन-जी और युवा ग्रेजुएट्स देशहित को सबसे ऊपर रखें

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को 'जेन-जी' और 'जेन अल्फा' से लीडरशिप की भूमिका निभाने और देश के हितों को सबसे ऊपर रखने को कहा। उन्होंने युवा ग्रेजुएट से कहा कि वे देश से क्या उम्मीद कर सकते हैं, इसके बजाय इस बात पर ध्यान दें कि वे देश के लिए क्या योगदान दे सकते हैं। चेन्नई में डॉ. एम.जी.आर. एजुकेशनल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के 36वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए सीतारमण ने कहा कि देश युवाओं की आकांक्षाओं को सुनने के लिए तैयार है, लेकिन उन्हें भी अपनी ज़िम्मेदारी निभानी चाहिए और अपने नागरिक कर्तव्यों को पूरा करना चाहिए।

सीतारमण ने कहा कि चाहे आप खुद को जेन-जी कहें या जेन अल्फा, हम सभी आपकी बात सुनने के लिए तैयार हैं। लेकिन आपको इस बात पर सोचना होगा कि आपके आस-पास क्या हो रहा है, आपकी क्या भूमिका है और आपके जरिए देश के लिए क्या हासिल किया जा सकता है। ग्रेजुएट हो रहे छात्रों से अपने-अपने क्षेत्रों में लीडरशिप संभालने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा, लीडरशिप संभालें। आपको लीड करना होगा और देश को सबसे ऊपर रखना होगा। अगर देश सुरक्षित और मजबूत रहेगा, तभी हमारे पास रहने के लिए घर होगा। हमें कभी भी अपने देश का साथ नहीं छोड़ना चाहिए।

सीतारमण ने राष्ट्रीय सुरक्षा और स्थिरता के महत्व को रेखांकित करने के लिए रूस-यूक्रेन युद्ध और मध्य पूर्व में अशांति जैसे चल रहे संघर्षों का ज़िक्र किया। उन्होंने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत ने मैक्रो-इकोनॉमिक स्थिरता बनाए रखी और 7.8 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर्ज की; उन्होंने इस मजबूती का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को दिया। युवा प्रोफेशनल्स के लिए मौकों का ज़िक्र करते हुए सीतारमण ने कहा कि तमिलनाडु एक बड़े इंडस्ट्रियल और टेक्नोलॉजी हब के तौर पर उभरा है। उन्होंने श्रीपेरंबदूर-ओरागदम कॉरिडोर का उदाहरण दिया, जो ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरिंग और स्मार्टफोन एक्सपोर्ट का ग्लोबल सेंटर बन गया है।

नवरात्रि से पहले विशेष संसद सत्र की तैयारी! सरकार ने विपक्ष से किया संपर्क

नई दिल्ली। जानकारी यह है कि संसद का सत्र अभी खत्म नहीं हुआ है, और केंद्र सरकार ने विपक्षी दलों से संपर्क किया है। सरकार चाहती है कि त्योहारों का मौसम शुरू होने से पहले संसद का एक विशेष सत्र बुलाया जाए ताकि परिसीमन से जुड़े महिला आरक्षण बिल को पास कराया जा सके। सूत्रों के मुताबिक, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के ऑफिस ने कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे से संपर्क किया है। वे यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या 11 अक्टूबर को नवरात्रि शुरू होने से पहले यह सत्र बुलाया जा सकता है। सूत्रों का कहना है कि खड़गे के ऑफिस की तरफ से अभी कोई जवाब नहीं आया है। संसद के सत्र को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने (प्रोरोगेशन) में हुई असामान्य देरी के बीच यह कदम उठाया गया है, जिससे विशेष सत्र बुलाए जाने की अटकलें तेज हो गई हैं, हालांकि सरकार ने अभी तक कोई घोषणा नहीं की है।

महिला बाइकर को टक्कर मारने वाला कार चालक राजस्थान से गिरफ्तार, हत्या के प्रयास की धारा जोड़ी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। महिला बाइक सवार को टक्कर मारने के आरोपी कार चालक कल्याण बैंसला को मंगलवार को राजस्थान के राजगढ़ से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह गिरफ्तारी घटना के दो दिन बाद हुई है।

आरोप है कि बैंसला की तेज रफ्तार सियाज कार ने महिला की अप्रिलिया आरएस 457 बाइक को टक्कर मार दी थी, जिससे वह सड़क पर घिसटती चली गई थी। दुर्घटना की शिकार शिवानी चौहान उर्फ सिया ने इससे पहले सोशल मीडिया पर एक नया वीडियो जारी कर बैंसला पर गंभीर आरोप लगाए थे। इसके बाद गुरुग्राम पुलिस ने मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109 के तहत हत्या के प्रयास का आरोप जोड़ा।

गुरुग्राम के पुलिस आयुक्त शिबास कविराज ने कहा, हमने कार चालक कल्याण बैंसला को आज राजस्थान से गिरफ्तार किया है। गहन जांच और सीसीटीवी फुटेज के विस्तृत विश्लेषण के बाद मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109 के तहत हत्या के प्रयास का आरोप जोड़ा गया है, जिसमें 10 साल तक की कैद का प्रावधान है। गुरुग्राम पुलिस ने मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए सेक्टर-56 थाने में मामला दर्ज किया है।

सहायक पुलिस आयुक्त (मुख्यालय) अभिलक्ष जोशी के अनुसार, आरोपी चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 281 (लापरवाही से वाहन चलाना) और धारा 125 (चोट पहुंचाना) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। वीडियो में सिया ने सवाल किया कि अगर बैंसला दुर्घटना से वास्तव में परेशान था तो उसकी कार से मोटरसाइकिल को टक्कर लगने के बाद वह घटनास्थल पर क्यों नहीं रुका। बैंसला ने दावा किया था कि यह महज एक दुर्घटना थी।

सिया ने आरोप लगाया कि महिला बाइक सवार होने के कारण उसे निशाना बनाया गया और उसे रोकने की जानबूझकर कोशिश की गई। उसने दावा किया कि उसकी जान भी जा सकती थी और दुर्घटना के बाद आरोपी ने यह तक जानने की कोशिश नहीं की कि वह सुरक्षित है या नहीं। सिया ने कहा कि बैंसला ने अपनी कार से टक्कर मारने के बाद एक सेकंड के लिए भी गाड़ी नहीं रोकी।

उन्होंने कहा, मुझे ऐसे लोगों पर शर्म आती है। दिल्ली और गुरुग्राम की सड़कों पर महिलाएं खुद को असुरक्षित महसूस करती हैं। उसने कहा कि हिट-एंड-रन मामले से संबंधित सामने आए दोनों वीडियो पर्याप्त तौर पर इस मामले के सबूत हैं।

उसने कहा कि दुर्घटना पूरी तरह कैमरे में कैद हुई है, जिसमें कार को उसकी बाइक को टक्कर मारते और चालक को मौके से भागते हुए साफ देखा जा सकता है। सिया ने कहा कि ऐसे लोगों को गाड़ी चलाना सिखाया जाना चाहिए। पुलिस ने बताया कि 32 वर्षीय आरोपी हरियाणा के पलवल जिले के टिकरी गुर्जर गांव का रहने वाला है और किसान परिवार से ताल्लुक रखता है।

सुरक्षा से नो कॉम्प्रोमाइजः मेटा अब सुरक्षा एजेंसियों से साझा करेगा बच्चों के यौन शोषण का डेटा, सरकार की चेतावनी के बाद फैसला

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा और हानिकारक कंटेंट को लेकर केंद्र सरकार द्वारा अपनाए गए सख्त रुख के बाद आखिरकार टेक दिग्गज मेटा झुकने को मजबूर हो गया है। मेटा अब बच्चों के यौन शोषण और उनकी सुरक्षा से जुड़े गंभीर मामलों की जानकारी भारत की सही कानून लागू करने वाली एजेंसियों के साथ साझा करने पर सहमत हो गया है। ऑनलाइन स्पेस में बच्चों की सुरक्षा को लेकर सरकार ने साफ कर दिया है कि देश में काम करने वाली किसी भी सोशल मीडिया कंपनी के लिए यह एक बुनियादी और गैर-समझौतावादी शर्त है।

सरकार ने साफ कर दिया है कि भारत में काम करने वाली सोशल मीडिया कंपनियों के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बच्चों की सुरक्षा एक जरूरी शर्त है और इस मामले में कोई समझौता नहीं किया जाएगा। सरकारी सूत्रों के हवाले से समाचार एजेंसी अठकने बताया, 'भारत में किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के काम करने के लिए बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा एक बुनियादी सिद्धांत है और इस पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता।'

सूत्रों के मुताबिक, मेटा का बच्चों की सुरक्षा से जुड़े मामलों की जानकारी कानून लागू करने वाली एजेंसियों को देने का फैसला, डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करने वाले बच्चों की सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक शुरूआती कदम है। हालांकि, सरकार ने संकेत दिया है कि बच्चों के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म को और सुरक्षित बनाने के लिए और भी कदम उठाने की जरूरत होगी।

सूत्रों ने कहा, 'मेटा बच्चों की सुरक्षा से जुड़े मामलों की जानकारी सही कानून लागू करने वाली एजेंसियों को देने पर सहमत हो गया है। यह प्लेटफॉर्म को बच्चों के लिए सुरक्षित बनाने की दिशा में पहला कदम है और अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।'

यह घटनाक्रम नेशनल कमीशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स (NCPCR) द्वारा मेटा के खिलाफ शुरू की गई कार्रवाई के बाद हुआ है। यह कार्रवाई बच्चों के यौन शोषण और दुर्व्यवहार से जुड़ी सामग्री से जुड़े विज्ञापनों के आरोपों को लेकर की गई थी।

NCPCR द्वारा अपनी जांच के सिलसिले में कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर और मेटा इंडिया के प्रमुख को तलब किए जाने के बाद, मेटा इंडिया के प्रतिनिधि 9 सितंबर को NCPCR के सामने पेश हुए। NCPCR ने मेटा के स्वामित्व वाले प्लेटफॉर्म पर कथित विज्ञापनों से जुड़ी BBC Eye की एक रिपोर्ट का स्वतः संज्ञान लिया था।

इसके बाद, कमीशन ने 3 जुलाई, 2026 को मेटा प्लेटफॉर्म्स, BAIY. को नोटिस जारी करके इन आरोपों पर सफाई मांगी। नोटिस जारी होने के एक हफ़्ते बाद मेटा ने कमीशन को अपना जवाब सौंपा।

सरकार अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के साथ भी बातचीत कर रही है

सरकार की बातचीत सिर्फ.मेटा तक ही सीमित नहीं है। सूत्रों के मुताबिक, सरकार अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के साथ भी बातचीत कर रही है ताकि हानिकारक कंटेंट, खासकर बच्चों के लिए जोखिम पैदा करने वाली सामग्री की पहचान करने और उसे हटाने के लिए उन्हें प्रोत्साहित किया जा सके। सूत्रों ने अठकको बताया, 'सरकार ऐसे कंटेंट की पहचान करने और उसे हटाने के लिए अन्य प्लेटफॉर्म के साथ लगातार बातचीत कर रही है।' सरकार ने यह भी चेतावनी दी है कि अगर प्लेटफॉर्म बच्चों को ऑनलाइन हानिकारक कंटेंट से बचाने के लिए सक्रिय कदम नहीं उठाते हैं, तो उनके खिलाफ कार्रवाई हो सकती है। सूत्रों ने आगे कहा, 'सरकार उन प्लेटफॉर्म के खिलाफ कार्रवाई करेगी जो बच्चों की सुरक्षा के लिए सक्रिय कदम नहीं उठाते हैं।'

VIMARSH 2026 में बोले राजनाथ सिंह

डीआरडीओ और इंडस्ट्री साझेदारी से भारत बनेगा डिफेंस हब

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (डीआरडीओ) और इंडस्ट्री के बीच साझेदारी में भारत को डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग का ग्लोबल हब बनाने की क्षमता है। नई दिल्ली में डीआरडीओ-इंडस्ट्री सिनर्जी मीट, 'विमर्श 2026' में बोलते हुए, सिंह ने जोर दिया कि डिफेंस सेक्टर में रिसर्च और डेवलपमेंट का काम सिर्फ. सरकार या डीआरडीओअकेले नहीं कर सकते, बल्कि इसके लिए मिलकर काम करने की जरूरत है।

राजनाथ ने कहा कि डिफेंस सेक्टर में रिसर्च और डेवलपमेंट के लिए डीआरडीओ आज सबसे बड़ी संस्था है। लेकिन यह भी सच है कि डिफेंस सेक्टर में रिसर्च और डेवलपमेंट के लिए सिर्फ.सरकार या डीआरडीओ की कोशिशें काफी नहीं हैं। यह मिलकर की जाने वाली कोशिश है। और यही सहयोग इस 'विमर्श 2026' का मुख्य संदेश है। डीआरडीओ और इंडस्ट्री के बीच साझेदारी ही भारत को डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग का ग्लोबल हब बना सकती है।

सिंह ने रक्षा क्षेत्र में हाल ही में हुए सुधारों, जैसे कि 'पॉज़िटिव इंडिजनाइजेशन लिस्ट' (स्वदेशीकरण की सूची), 'मेक इन इंडिया' पहल, iDEX, ADITI और रक्षा R&D बजट का 25 प्रतिशत हिस्सा निजी क्षेत्र को देने जैसे कदमों का ज़िक्र किया। उन्होंने कहा कि इन कदमों का मकसद रक्षा आयात पर निर्भरता कम करना और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ना है।

उन्होंने आत्मनिर्भरता के विचार को विस्तार से समझाते हुए कहा कि जब मैं आत्मनिर्भरता की बात करता हूँ, तो इसका मतलब सिर्फ. यह नहीं है कि हम यहाँ कुछ पुर्जे, कुछ मिसाइलें, कुछ हथियार और प्लेटफॉर्म बना रहे हैं। आत्मनिर्भरता हमारे चरित्र का हिस्सा होनी चाहिए। यह हमारे नजरिए का हिस्सा होनी चाहिए। जिस देश के पास अपनी तकनीक होती है, उसके पास अपना भविष्य तय करने की ताकत भी होती है। इसलिए, हमारी आत्मा, हमारे मन, हमारे विचारों और हमारी चेतना में आत्मनिर्भरता की भावना होनी चाहिए।

संपादक की कलम

जिंदगी की किताब का हर पन्ना, भारत के नाम

ललित शर्मा
संपादक

कुछ जीवन केवल समय के साथ आगे नहीं बढ़ते, वे समय की दिशा प्रभावित करते हैं। नरेंद्र दामोदरदास मोदी की यात्रा भी ऐसी ही असाधारण कथा है, जिसमें वडनगर की गलियों की सादगी से भारत के सर्वोच्च लोकतांत्रिक दायित्व तक का विस्तार दिखाई देता है। 17 सितंबर 1950 को गुजरात के वडनगर में जन्मे इस बालक ने अभावों को नियति नहीं, पाठशाला बनाया। पिता के साथ चाय बेचते हुए उन्होंने श्रम की गरिमा और जीवन की कठोरता को जाना। आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद शिक्षा के प्रति जिजीविषा बनी रही। परिवार की जिम्मेदारियों और संघर्षों ने दृढ़ इच्छाशक्ति, आत्मविश्वास और कर्मनिष्ठा को मजबूत किया। यही संघर्ष आगे चलकर उनकी पहचान बना। उनका बचपन संदेश देता है—मंजिल परिस्थितियाँ नहीं, संकल्प तय करता है। नेतृत्व की पहली पाठशाला उनके लिए सत्ता नहीं, सेवा थी। युवा अवस्था में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़कर नरेंद्र मोदी ने अनुशासन, संगठन, सेवा और राष्ट्रभावना को जीवन का हिस्सा बनाया। लक्ष्मणराव इनामदार जैसे मार्गदर्शकों से उन्होंने संगठन की समझ और मानवीय नेतृत्व का पाठ सीखा। उन्होंने जाना कि नेतृत्व अधिकार नहीं, उत्तरदायित्व है; लोगों से आगे खड़ा होना नहीं, उनकी पीड़ा को समझना है। यही सोच उनके सार्वजनिक जीवन की आधार बनी। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में भी उन्होंने शासन को व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा नहीं, विकास और सेवा का माध्यम माना। उनका आरंभिक जीवन युवाओं को संदेश देता है कि साधारण शुरूआत असाधारण मंजिल की राह नहीं रोक सकती। विकास की पहचान तब होती है, जब वह धरातल पर बदलाव लाए। 2001 से 2014 तक गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने विकास को नई गति दी। राज्य की आर्थिक वृद्धि दर औसतन दस प्रतिशत से अधिक रही। चारणका सोलर पार्क ने सौर ऊर्जा को बढ़ावा दिया। सौराष्ट्र और कच्छ में नहरों का विस्तार हुआ तथा सरदार सरोवर परियोजना को गति मिली, जिससे जल-संसाधन विकास मजबूत हुआ। स्वामी विवेकानंद युवा रोजगार सप्ताह जैसे अभियानों से युवाओं को रोजगार के अवसर मिले। कन्या केलवणी अभियान से बालिका शिक्षा को बल मिला और विद्यालय छोड़ने की दर में उल्लेखनीय कमी आई। इन पहलों ने गुजरात को विकास और नीतिगत प्रयोगों के लिए देश में अलग पहचान दिलाई। 2014 के बाद भारत ने बदलाव की कई करवटें देखीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की आकांक्षाओं को नई दिशा दी। अनुच्छेद 370 और 35A से जुड़े संवैधानिक बदलाव, जीएसटी से कर-व्यवस्था का एकीकरण, डिजिटल इंडिया और स्वच्छ भारत अभियान इस दौर की प्रमुख पहलें रहीं। यूपीआई ने भारत को डिजिटल भुगतान में विश्व स्तर पर पहचान दिलाई। स्वच्छ भारत अभियान ने करोड़ों लोगों तक स्वच्छता पहुँचाने के साथ व्यवहार परिवर्तन का अभियान चलाया। कोविड-19 संकट में आत्मनिर्भर भारत का आह्वान देश के आत्मविश्वास का स्वर बना। स्वदेशी वैक्सीन निर्माण और 220 करोड़ से अधिक खुराकों का वितरण भारत की स्वास्थ्य-क्षमता और उत्पादन सामर्थ्य की बड़ी उपलब्धि बना। सत्ता की ऊँचाई पर भी सादगी और अनुशासन बनाए रखना नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व की प्रमुख विशेषता है। योग, ध्यान, सात्विक जीवनशैली और नियमित दिनचर्या उनके आत्मसंयम को दर्शाते हैं। सर्वोच्च पद पर रहते हुए भी आम नागरिकों से सीधा संवाद उनकी अलग पहचान बना। 'मन की बात' के जरिए उन्होंने देशभर की प्रेरक कहानियों, सामाजिक पहलों और नागरिक अनुभवों को राष्ट्रीय संवाद से जोड़ा।

हिम्मत को मत दो विराम

उदय कशोर साह

कविता

हिम्मत को मत दो जीवन में आराम
हिम्मत से हासिल होगी तेरी मुकाम
हिम्मत है जीवन का एक पैगाम
आलस को दूर से ही है मेरा सलाम

हिम्मत को मत दो जीवन में विराम
हिम्मत है अमूल्य धन का ही नाम
हिम्मत से लेते रहना है सदैव काम
आलस को दूर से ही है मेरा राम राम

हिम्मत से पूरा होता सपनों का अरमान
हिम्मत से मुकाबला कर युद्ध का मैदान
हिम्मत कब माँगता है तुमसे कोई दाम
आलस को दूर से ही है मेरा सलाम

हिम्मत है सफलता का दूसरा ही नाम
हिम्मत देता है आरजू को । गुलफाम
हिम्मत है जीवन । संघर्ष का तुफान
आलस को दूर से ही है मेरा सलाम

हिम्मत पैदा करता है कर्मों का अंजाम
हिम्मत दिखलाता है रंगीन सुबह शाम
हिम्मत को कर जीवन भर सम्मान
आलस को दूर से ही है मेरा सलाम

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलनः ग्लोबल साउथ की शक्ति का प्रदर्शन, क्या तय होगा वैश्विक अर्थव्यवस्था का नया सिकंदर?

किशन भावनानीं
लेखक

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ की आर्थिक और कूटनीतिक व्यवस्था एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहाँ शक्ति का अर्थ केवल सैन्य क्षमता या किसी देश की जीडीपी नहीं रह गया है, बल्कि पूंजी, तकनीक, ऊर्जा, डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर, विदेशी मुद्रा, सप्लाई चेन, बाजार और वैश्विक संस्थाओं पर प्रभाव का संयुक्त परिणाम बन गया है। इसी बदलते वैश्विक समीकरण के बीच भारत 12-13 सितंबर 2026 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने जा रहा है। भारत की 2026 ब्रिक्स अध्यक्षता का विषय बिल्डिंग फॉर रेसिलिन्स इन्नोवेशन, कोआपरेशन एंड सस्टेनेबिलिटी है और इसका केंद्रीय दृष्टिकोण ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं को अधिक प्रभावी वैश्विक मंच देना तथा सहयोग को व्यावहारिक परिणामों में बदलना है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इस सम्मेलन को केवल एक सामान्य बहुपक्षीय बैठक के रूप में देखना बड़ी भूल होगी। वर्ष 2026 में ब्रिक्स अपनी स्थापना के 20 वर्ष पूरे कर रहा है और भारत चौथी बार इसकी अध्यक्षता कर रहा है। भारतीय अध्यक्षता के दौरान 25 से अधिक शहरों में350 से अधिक बैठकें और उच्चस्तरीय संवाद आयोजित किए जा चुके हैं। राजनीतिक- सुरक्षा, आर्थिक-वित्तीय और सांस्कृतिक-जनसंपर्क, इन तीनों आयामों में सहयोग को आगे बढ़ाने का प्रयास किया गया है। इसलिए 12-13 सितंबर का शिखर सम्मेलन पूरे वर्ष चले इस व्यापक कूटनीतिक अभियान का निर्णायक राजनीतिक मंच बनने जा रहा है। साथियों, सबसे बड़ा प्रश्न स्वाभाविक रूप से जी 7 बनाम ब्रिक्स का है। जी 7 आज भी विकसित औद्योगिक लोकतंत्रों वैश्विक वित्त, उच्च तकनीक और संस्थागत प्रभाव की दृष्टि से अत्यंत शक्तिशाली समूह है। दूसरी ओर ब्रिक्स का विस्तार इसे केवल कुछ उभरती अर्थव्यवस्थाओं के समूह से कहीं अधिक व्यापक मंच बना चुका है। इसलिए भविष्य की दुनियाँ को कौन जीतेगा जी 7 या ब्रिक्स ? जैसे सरल प्रश्न से समझना पर्याप्त नहीं होगा। वास्तविक प्रश्न यह है कि कौन वैश्विक आर्थिक नियमों, व्यापारिक नेटवर्क, तकनीकी मानकों और विकास की प्राथमिकताओं को अधिक प्रभावी ढंग से प्रभावित कर पाएगा? यही वह क्षेत्र है जहाँ नई दिल्ली सम्मेलन का महत्व सटीकता से असाधारण हो जाता है।

साथियों ब्रिक्स की सबसे बड़ी शक्ति उसका ग्लोबल साउथ डिमेंशन है। भारत लगातार यह रेखांकित करता रहा है कि विकासशील देशों की आवाज वैश्विक शासन संस्थाओं में उनकी वास्तविक आर्थिक और जनसंख्या शक्ति के अनुरूप दिखाई देनी चाहिए। भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता में आर्थिक सहयोग के साथ- साथ तकनीक, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, नवाचार स्टार्टअप पर्यावरण साइबर सुरक्षा और सतत विकास जैसे क्षेत्रों को महत्व दिया गया है। अगस्त में ब्रिक्स कम्युनिकेशन्स मिनिस्टर्स मीटिंग में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, एआई और भविष्य की नेटवर्क तकनीक, साइबर सुरक्षा, डिजिटल स्किलिंग, स्टार्टअप तथा नवाचार को सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में रखा गया था। यहीं भारत की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत ब्रिक्स को किसी पश्चिम- विरोधी सैन्य या राजनीतिक गठबंधन के रूप में स्थापित करने के बजाय बहुध्रुवीय और अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण वैश्विक व्यवस्था के मंच के रूप में प्रस्तुत करना चाहता है। यह दृष्टिकोण भारत की रणनीतिक स्वायत्तता से भी जुड़ा हुआ है। नई दिल्ली के लिए रूस के साथ ऊर्जा और रणनीतिक संबंध, चीन के साथ प्रतिस्पर्धा और सहयोग, पश्चिमी देशों के साथ व्यापार एवं तकनीकी साझेदारी और ग्लोबल साउथ के साथ विकासात्मक जुड़ाव, इन सभी को एक साथ संतुलित करना आवश्यक है। यही भारत की सटीकता से कूटनीतिक चुनौती भी है और अवसर भी। साथियों सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की संभावित उपस्थिति विशेष रूप से महत्वपूर्ण होगी उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार चीनी पक्ष ने उनकी संभावित यात्रा के लिए सुरक्षा और प्रोटोकॉल संबंधी तैयारियाँ शुरू की हैं, लेकिन 8 सितंबर तक उनकी यात्रा को लेकर औपचारिक अंतिम कार्यक्रम सार्वजनिक रूप से स्पष्ट नहीं था। यदि शी जिनपिंग नई दिल्ली आते हैं, तो यह 2019 के बाद उनकी पहली भारत यात्रा होगी और ब्रिक्स मंच पर भारत-चीन संबंधों को नई दिशा देने का अवसर भी बन सकती है। मैं अंदाज लगा सकता हूं कि चीनी राष्ट्रपति बहुत बड़े डेलिगेशन के साथ भारत आने की सटीकता से उम्मीद है। साथियों रूस के राष्ट्रपति की भारत यात्रा को लेकर स्थिति कहीं अधिक स्पष्ट है। भारतीय पीएम ने ने 31अगस्त को पुतिन से मुलाकात के दौरान उन्हें 12-13 सितंबर के ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भारत आने का स्वागत करने की बात कही थी। दोनों नेताओं ने ब्रिक्स के तहत सहयोग सहित राजनीतिक, आर्थिक, ऊर्जा, अंतरिक्ष और अन्य क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की। इससे स्पष्ट है कि नई दिल्ली सम्मेलन भारत-रूस संबंधों और व्यापक ग्लोबल साउथ डिप्लोमेसी के लिए भी महत्वपूर्ण मंच बनने जा रहा है। साथियों, ब्रिक्स का दूसरा बड़ा आयाम वित्तीय और आर्थिक सहयोग है। आज वैश्विक अर्थव्यवस्था में डॉलर, पश्चिमी वित्तीय संस्थाओं और विकसित देशों के बाजारों का प्रभाव अभी भी अत्यंत मजबूत है। ब्रिक्स के सामने चुनौती यह है कि क्या वह सदस्य देशों के बीच व्यापार, स्थानीय मुद्राओं में लेन-देन, भुगतान प्रणालियों, विकास वित्त और निवेश सहयोग को इस स्तर तक बढ़ा सकता है कि वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में उसका वास्तविक प्रभाव दिखाई देने लगे। यह कार्य आसान नहीं है, क्योंकि ब्रिक्स के भीतर आर्थिक संरचनाएँ, राजनीतिक प्राथमिकताएँ और राष्ट्रीय हित एक-दूसरे से काफी अलग हैं। लेकिन यही विविधता यदि व्यावहारिक सहयोग में बदली गई तो यह समूह की सबसे बड़ी ताकत भी बन सकती है। भारत के लिए इसका महत्व विजन 2047 से भी जुड़ता है। भारत यदि 2047 तक विकसित और आर्थिक रूप से अधिक शक्तिशाली राष्ट्र बनना चाहता है, तो उसे केवल घरेलू आर्थिक वृद्धि पर्याप्त नहीं होगी। उसे वैश्विक पूंजी आकर्षित करनी होगी, उच्च तकनीक में नेतृत्व विकसित करना होगा, अंतरिक्ष और डिजिटल अर्थव्यवस्था में अपनी क्षमता बढ़ानी होगी, विदेशी मुद्रा की मजबूती बनाए रखनी होगी और वैश्विक सप्लाई चेन में अपनी हिस्सेदारी बढ़ानी होगी। ब्रिक्स भारत को इन लक्ष्यों के लिए एक अतिरिक्त कूटनीतिक और आर्थिक नेटवर्क उपलब्ध कराता है। साथियों, दिल्ली में सम्मेलन की तैयारियाँ भी इसी महत्व को दर्शाती हैं। एंनडीएमसी ने प्रमुख सड़कों, बाजारों, होटल क्षेत्रों और वीआईपी मार्गों के सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान दिया है। राजधानी के कई हिस्सों में लैंडस्केपिंग, फूलों की सजावट, मुरल्स और अन्य सौंदर्यीकरण कार्य किए गए हैं।

गलत जगहों पर पेड़ लगाना जलवायु समाधान नहीं है

डॉ विजय गर्ग
लेखक

पेड़ लगाना जलवायु परिवर्तन से निपटने के सबसे सरल और प्रभावी तरीकों में से एक माना जाता है। पेड़ कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं, ऑक्सीजन छोड़ते हैं, छाया प्रदान करते हैं, मिट्टी की रक्षा करते हैं और जैव-विविधता को सहारा देते हैं। लेकिन यह सोच कि हर जगह अधिक से अधिक पेड़ लगाना अपने आप जलवायु के लिए अच्छा है, एक बहुत ही सरल धारणा है। पेड़ कहाँ लगाए जाते हैं, किन प्रजातियों का चयन किया जाता है और वे किस प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र का स्थान लेते हैं—ये सभी बातें बहुत महत्वपूर्ण हैं।

वन केवल पेड़ों का समूह नहीं होते, बल्कि वे जटिल पारिस्थितिकी तंत्र हैं। घास के मैदान, सवाना, आर्द्रभूमियाँ, झाड़ीदार क्षेत्र और अन्य प्राकृतिक खुले भू-दृश्य भी जैव-विविधता को बनाए रखने, कार्बन का भंडारण करने और जल संतुलन को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हर खुले क्षेत्र को वृक्षारोपण क्षेत्र में बदल देना उन प्राकृतिक प्रणालियों को नुकसान पहुँचा सकता है, जिनकी रक्षा करना जलवायु कार्रवाई का उद्देश्य है।

एक बड़ी चिंता प्राकृतिक रूप से खुले पारिस्थितिकी तंत्रों को घने वृक्षारोपण क्षेत्रों में बदलने की है। घास के मैदान और सवाना ऐसे अनेक पौधों, कीटों, पक्षियों और जानवरों को आश्रय देते हैं जो खुले आवासों पर निर्भर रहते हैं। ऐसे क्षेत्रों में पेड़ लगाने से जैव-विविधता कम हो सकती है और मिट्टी की प्राकृतिक विशेषताओं में बदलाव आ सकता है। कुछ क्षेत्रों में तेजी से बढ़ने वाली या अधिक पानी की आवश्यकता वाली वृक्ष प्रजातियाँ भूजल का भी काफी उपयोग कर सकती हैं।

एक अन्य समस्या अनुपयुक्त वृक्ष प्रजातियों का चयन है। वृक्षारोपण क्षेत्र

हरा-भरा और स्वस्थ दिखाई दे सकता है, लेकिन एक ही प्रजाति के पेड़ों वाला क्षेत्र विविध प्राकृतिक वन के समान पारिस्थितिकी लाभ नहीं दे सकता। एकल-प्रजातीय वृक्षारोपण कीटों, रोगों, सूखे और जंगल की आग के प्रति अधिक संवेदनशील हो सकता है। इसके अलावा, यह वन्यजीवों के लिए सीमित आवास ही उपलब्ध करा सकता है। पानी भी एक महत्वपूर्ण कारक है। पेड़ों को बढ़ने के लिए पानी की आवश्यकता होती है। जहाँ पहले से ही पानी की कमी है, वहाँ बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण नदियों, जलधाराओं और भूजल पर अतिरिक्त दबाव डाल सकता है। इसका अर्थ यह नहीं है कि पेड़ हानिकारक हैं; बल्कि इसका अर्थ है कि वृक्षारोपण स्थानीय जल उपलब्धता और पारिस्थितिकी परिस्थितियों के अनुरूप होना चाहिए।

पेड़ लगाने और प्राकृतिक वनों की बहाली में भी अंतर है। एक प्राकृतिक वन कई वर्षों में पेड़ों, झाड़ियों, घास, कवकों, कीटों, पक्षियों और जानवरों के बीच होने वाली पारस्परिक क्रियाओं से विकसित होता है। हजारों पेड़ों वाला वृक्षारोपण क्षेत्र भी इस प्राकृतिक जटिलता को पूरी तरह दोहरा नहीं सकता। इसलिए मौजूदा प्राकृतिक वनों की रक्षा करना अक्सर उन स्थानों पर नए पेड़ लगाने से अधिक महत्वपूर्ण होता है जहाँ प्राकृतिक रूप से वन मौजूद ही नहीं थे। जलवायु के लिए पेड़ों के लाभ उनकी दीर्घकालिक सुरक्षा पर भी निर्भर करते हैं। पेड़ बढ़ने के साथ कार्बन का भंडारण करते हैं, लेकिन यदि वन कटाई, आग, सूखे या रोगों से नष्ट हो जाएँ तो यह कार्बन फिर से वायुमंडल में पहुँच सकता है। इसलिए जलवायु रणनीति में केवल लगाए गए पौधों की संख्या पर ध्यान देने के बजाय उनकी दीर्घकालिक सुरक्षा और संरक्षण भी आवश्यक है। समाधान यह नहीं है कि पेड़ लगाना बंद कर दिया जाए। इसके बजाय हमें समझदारी और वैज्ञानिक तरीके से वृक्षारोपण करना चाहिए। स्थानीय और देशी प्रजातियों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए तथा वृक्षारोपण की योजना वैज्ञानिक और पारिस्थितिकी संबंधी अध्ययनों पर आधारित होनी चाहिए। क्षतिग्रस्त वनों को पुनर्स्थापित किया जाए, मौजूदा प्राकृतिक वनों की रक्षा की जाए और प्राकृतिक घास के मैदानों, आर्द्रभूमियों तथा अन्य महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्रों को केवल इसलिए वृक्षारोपण क्षेत्रों में परिवर्तित न किया जाए क्योंकि पेड़ लगाना जलवायु समस्या का आसान समाधान दिखाई देता है। सरकारों, समुदायों और पर्यावरण संगठनों को सफलता का मूल्यांकन केवल लगाए गए पेड़ों की संख्या से नहीं करना चाहिए। पेड़ों के जीवित रहने की दर, पारिस्थितिकी महत्व, जैव-विविधता को होने वाला लाभ, जल पर प्रभाव और दीर्घकालिक कार्बन भंडारण की क्षमता को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। जलवायु संरक्षण केवल पौधों की गिनती करने का नाम नहीं है। इसके लिए भू-दृश्यों और प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्रों को समझना आवश्यक है। सही जगह पर सही पेड़ एक शक्तिशाली जलवायु समाधान बन सकता है। लेकिन गलत जगह पर गलत पेड़ नई पर्यावरणीय समस्याएँ पैदा कर सकता है। इसलिए भविष्य की वनीकरण और वृक्षारोपण नीति केवल 'हर जगह अधिक से अधिक पेड़ लगाएँ' के नारे पर आधारित नहीं होनी चाहिए, बल्कि एक अधिक समझदार सिद्धांत पर आधारित होनी चाहिए—प्रकृति की रक्षा करें, क्षतिग्रस्त पारिस्थितिकी तंत्रों को पुनर्स्थापित करें और वहीं पेड़ लगाएँ जहाँ वे प्राकृतिक रूप से उपयुक्त हों।

अमेरिका बनाम चीनः नई शीतयुद्ध की रेखा और दो ध्रुवों में विभाजित होता विश्व!

एनके शर्मा
लेखक

दुनिया एक बार फिर ऐसे मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है, जहां महाशक्तियों की महत्वाकांक्षाएं मानव सभ्यता के भविष्य पर भारी पड़ सकती हैं। बीसवीं सदी का शीतयुद्ध अमेरिका और सोवियत संघ के बीच वैचारिक, सैन्य और सामरिक वर्चस्व की लड़ाई था। आज सोवियत संघ इतिहास बन चुका है, लेकिन शीतयुद्ध की मानसिकता समाप्त नहीं हुई। उसके स्थान पर अमेरिका और चीन के बीच एक नया वैश्विक संघर्ष आकार ले रहा है—ऐसा संघर्ष जिसमें बंदूकें अभी सीमित रूप से दिखाई देती हैं, लेकिन व्यापार, तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, चिप्स, समुद्री शक्ति, साइबर क्षमता, दुर्लभ खनिजों और सैन्य गठबंधनों के माध्यम से पूरी दुनिया इसकी चपेट में आती जा रही है।

यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि वर्तमान अमेरिकी-चीनी प्रतिस्पर्धा धीरे-धीरे एक ऐसे नए शीतयुद्ध का रूप ले रही है, जिसकी सीमा किसी एक महाद्वीप तक सीमित नहीं है। दोनों देश एक-दूसरे को रोकने, पछाड़ने और अपनी रणनीतिक निर्भरता कम करने में जुटे हैं। सेमीकंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उन्नत तकनीक अब केवल आर्थिक विकास के साधन नहीं रह गए हैं; वे राष्ट्रीय सुरक्षा और भविष्य की सैन्य शक्ति के निर्णायक हथियार बन चुके हैं। विशेषज्ञ विश्लेषण भी 2026 की प्रतिस्पर्धा में एआई, सेमीकंडक्टर और निर्यात नियंत्रण को केंद्रीय मोर्चों के रूप में रेखांकित कर रहे हैं।

सबसे भयावह प्रश्न ताइवान का है। यह छोटा-सा द्वीप अमेरिका और चीन के बीच संभावित सैन्य टकराव का सबसे संवेदनशील बिंदु बन चुका है। चीन ताइवान को अपने राष्ट्रीय क्षेत्र का हिस्सा मानता है, जबकि अमेरिका ताइवान की सुरक्षा और इंडो-पैसिफिक शक्ति-संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यदि कभी ताइवान को लेकर प्रत्यक्ष सैन्य संघर्ष हुआ, तो वह केवल चीन और अमेरिका का युद्ध नहीं रहेगा। जापान, ऑस्ट्रेलिया और अन्य क्षेत्रीय शक्तियों के शामिल होने की आशंका के साथ यह संघर्ष

वैश्विक अर्थव्यवस्था और समुद्री व्यापार को भी झकझोर सकता है। हाल के महीनों में ताइवान का सेमीकंडक्टर उद्योग स्वयं भू-राजनीतिक शक्ति-संतुलन का महत्वपूर्ण केंद्र बन गया है।

आज की दुनिया में युद्ध केवल मिसाइलों से नहीं लड़े जाते। आर्थिक प्रतिबंध भी हथियार हैं, टैरिफ भी हथियार हैं, निर्यात नियंत्रण भी हथियार हैं और तकनीकी श्रेष्ठता भी हथियार है। अमेरिका चीन की उन्नत तकनीक तक पहुंच सीमित करने की कोशिश करता है तो चीन दुर्लभ खनिजों और औद्योगिक आपूर्ति-श्रृंखलाओं पर अपनी पकड़ का इस्तेमाल दबाव बनाने के लिए कर सकता है। दोनों देशों के बीच व्यापार तनाव को कम करने की कोशिशें चल रही हैं, लेकिन परस्पर अविश्वास इतना गहरा है कि अस्थायी समझौते भी स्थायी समाधान का आश्वासन नहीं देते। सितंबर 2026 में प्रस्तावित ट्रम्प-शी बैठक के पहले भी व्यापार, तकनीकी नियंत्रण और दुर्लभ खनिजों को लेकर तनाव बना हुआ है।

इस नए शीतयुद्ध का सबसे खतरनाक आयाम कृत्रिम बुद्धिमत्ता है। जिस तकनीक को कभी मानव जीवन को सरल बनाने का माध्यम माना गया था, वही अब सैन्य रणनीति, साइबर युद्ध, निगरानी, सूचना-प्रबंधन और स्वायत्त हथियार प्रणालियों की आधारशिला बन रही है। अमेरिका और चीन दोनों एआई में नेतृत्व को राष्ट्रीय शक्ति का प्रश्न मान रहे हैं। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि एआई की दौड़ को केवल व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा मानना गंभीर भूल होगी, क्योंकि अत्यधिक सक्षम प्रणालियां जैविक हथियारों, साइबर हमलों और बड़े पैमाने पर सूचना-विघटन जैसी क्षमताओं से जुड़ सकती हैं।

यहीं से मानव सभ्यता के सामने सबसे बड़ा नैतिक प्रश्न खड़ा होता है—क्या तकनीकी श्रेष्ठता की दौड़ मानव सुरक्षा से बड़ी हो जाएगी? यदि दो महाशक्तियां यह मान लें कि एआई में पीछे रहना राष्ट्रीय पराजय है, तो दोनों के लिए गति सुरक्षा से अधिक महत्वपूर्ण हो सकती है। इतिहास बताता है कि जब राष्ट्र भय और प्रतिस्पर्धा में निर्णय लेने लगते हैं, तब विवेक पीछे छूट जाता है। परमाणु हथियारों के दौर में दुनिया कई बार विनाश के बेहद करीब पहुंची थी। आज यदि परमाणु शक्ति के साथ एआई, साइबर हथियार और स्वायत्त सैन्य प्रणालियां भी जुड़ जाएं, तो गलती की कीमत पहले से कहीं अधिक भयावह हो सकती है।

इस संघर्ष का तीसरा मोर्चा वैश्विक अर्थव्यवस्था है। अमेरिका और चीन दुनिया की दो सबसे बड़ी आर्थिक शक्तियों में हैं। उनके बीच व्यापारिक संबंधों में तनाव का अर्थ केवल दो देशों के बाजारों पर असर नहीं है। वैश्विक आपूर्ति-श्रृंखलाएं, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, दवाएं, ऊर्जा, दूरसंचार और उपभोक्ता वस्तुएं इस संघर्ष से प्रभावित हो सकती हैं। दुनिया यदि दो अलग-अलग तकनीकी और आर्थिक परिसंस्थाओं में बंटती है, तो उत्पादन की लागत बढ़ेगी, निवेश अस्थिर होगा और छोटे तथा विकासशील देशों पर महाशक्तियों में से किसी एक का पक्ष चुनने का दबाव बढ़ सकता है। यही वह स्थिति है जिसे दुनिया को सबसे अधिक गंभीरता से समझना होगा। नई शीतयुद्ध रेखा केवल वाशिंगटन और बीजिंग के बीच नहीं खिंच रही; उसके प्रभाव यूरोप, एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और हिंद-प्रशांत तक पहुंच रहे हैं। सैन्य गठबंधन, आर्थिक साझेदारियां और तकनीकी निर्भरता धीरे-धीरे देशों को अलग-अलग खेमों में धकेल सकती हैं। चीन एक बहुध्रुवीय विश्व की वकालत करता है, जबकि अमेरिका अपने सहयोगी नेटवर्क और इंडो-पैसिफिक रणनीति के माध्यम से शक्ति-संतुलन बनाए रखना चाहता है। भारत के लिए यह परिस्थिति विशेष रूप से जटिल है। भारत के अमेरिका के साथ रणनीतिक और तकनीकी संबंध महत्वपूर्ण हैं, लेकिन चीन उसका निकटतम पड़ोसी और एक प्रमुख आर्थिक शक्ति भी है।

प्रभारी मंत्री ने किया तीन दिवसीय अजगरा महोत्सव -2026 का शुभारंभ

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के राज्यमंत्री, संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा स्वास्थ्य, परिवार कल्याण तथा मातृ एवं शिशु कल्याण विभाग एवं जनपद के प्रभारी मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने पौराणिक स्थल अजगरा स्थित यक्ष-युधिष्ठिर संवाद स्थल पहुंचकर तीन दिवसीय अजगरा महोत्सव-2026 का भव्य शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक विश्वनाथगंज जीतलाल पटेल, भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव, जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर, मुख्य विकास अधिकारी डा0 राममोहन मीना, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश त्रिपाठी, एमएलसी प्रतिनिधि अभिमन्यु सिंह व राय साहब सिंह, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि राकेश सिंह के अलावा पं0 राजेश कुमार पाण्डेय निर्झर प्रतापगढ़ी, दिनेष सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण व अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। अजगरा महोत्सव का शुभारंभ पौराणिक परंपरा के अनुरूप यक्ष-युधिष्ठिर संवाद के माध्यम से किया गया। पौराणिक सरोवर अजगरा पर उच्चतर प्राथमिक विद्यालय तुलसी का पुरवा के छात्र प्रियांशु वर्मा ने प्रभारी मंत्री से यक्ष का प्रश्न पूछा, जिसका प्रभारी मंत्री ने संवाद के माध्यम से उत्तर दिया। इसी संवाद के साथ महोत्सव का उद्घाटन किया गया। प्रभारी मंत्री एवं अन्य अतिथियों ने पौराणिक सरोवर पर दीप प्रज्वलित कर महोत्सव के सफल आयोजन की शुभकामनाएं दीं। इसके उपरांत प्रभारी मंत्री ने अजगरा मंदिर परिसर का निरीक्षण किया तथा वहां स्थित संग्रहालय का अवलोकन किया। उन्होंने संग्रहालय में संरक्षित पुरातत्व अवशेषों को देखा और उनके संबंध में जानकारी प्राप्त की। इसके बाद महोत्सव परिसर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी स्टॉल एवं मेले

का फीता काटकर उद्घाटन किया तथा विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन कर विभागीय योजनाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी ली। कार्यक्रम में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत एवं सरस्वती वंदना की मनमोहक प्रस्तुति दी गई।

'अजगरा महोत्सव' कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश के पौराणिक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के संरक्षण और विकास को लेकर विशेष रुचि रखते हैं। सरकार की प्राथमिकता है कि हमारी समृद्ध विरासत को संरक्षित करने के साथ ही उसे नई पीढ़ी से जोड़ा जाए और ऐसे स्थलों को व्यापक पहचान दिलाई जाए। प्रभारी मंत्री ने कहा कि अजगरा जनपद की गौरवशाली ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण केंद्र है। यहां की पौराणिकता और ऐतिहासिक महत्व को सामने लाने के लिए इस प्रकार के आयोजन बेहद महत्वपूर्ण हैं। 'द ग्रेट अजगरा डिबेट' के माध्यम से अजगरा से जुड़े विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा हुई, जिससे लोगों में अपनी विरासत के प्रति जागरूकता और गौरव की भावना और मजबूत होगी। प्रभारी मंत्री ने ह्यद ग्रेट अजगरा डिबेटह्ण जैसे अभिनव एवं सार्थक कार्यक्रम के आयोजन के लिए जिला प्रशासन की सराहना की। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा अजगरा की विरासत को जनसामान्य तक पहुंचाने के लिए किया गया यह प्रयास सराहनीय है।

जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय ने कार्यक्रम में आए अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि 'द ग्रेट अजगरा डिबेट' के माध्यम से 08 प्रतिभागियों का चयन 'अजगरा अष्ट' के रूप में किया गया है। ये प्रतिभागी 17 सितम्बर 2026 को यक्ष-युधिष्ठिर संवाद स्थल पर आयोजित होने वाले ग्रैंड फिनाले में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे तथा उन्हें सम्मानित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने पं0 राजेश कुमार पाण्डेय 'निर्झर प्रतापगढ़ी' की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने पुरातत्व एवं सांस्कृतिक परंपराओं को जीवित रखने तथा अजगरा की ऐतिहासिक विरासत को सामने लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इस अवसर पर विधायक विश्वनाथगंज जीतलाल पटेल एवं भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव ने भी अपने विचार व्यक्त किए। अजगरा महोत्सव में डा0 शिवानी मातनहेलिया के साथ विधायक विश्वनाथगंज जीतलाल पटेल ने कजरी गीत की प्रस्तुति दी। डा0 शिवानी मातनहेलिया ने लोकगायन की मनमोहक प्रस्तुति से उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध किया। विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं एवं कलाकारों द्वारा भी विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम का संचालन डा0 मो0 अनीस एवं धर्मेन्द्र ओझा ने किया। महोत्सव में उपस्थित लोगों ने पौराणिक स्थल, संग्रहालय, विभागीय प्रदर्शनी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का उत्साहपूर्वक अवलोकन किया।

चितौली रोड की फैक्ट्री में चोरी का खुलासा, छह कुंतल तार के साथ एक गिरफ्तार

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। थाना हापुड़ नगर पुलिस ने चितौली रोड स्थित एक फैक्ट्री में हुई चोरी की घटना का सफल खुलासा करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी किया गया करीब छह कुंतल तार (कॉपर व पीतल आदि) तथा एक अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस 315 बोर बरामद किया है।पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं चोरों तथा वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना हापुड़ नगर पुलिस ने मु0अ0सं0 486/2026, धारा 305 बीएनएस से संबंधित चोरी की घटना का खुलासा किया। पुलिस टीम ने अभियुक्त को रामपुर रोड से गिरफ्तार किया। बरामदगी के आधार पर पुलिस द्वारा अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्त:सुहेल पुत्र जाहिद, निवासी अलीनगर गली नंबर-01, थाना हापुड़ नगर, जनपद हापुड़। बरामदगी:चोरी का करीब छह कुंतल तार (कॉपर व पीतल आदि) एक अवैध तमंचाएक जिंदा कारतूस 315 बोर पुलिस के अनुसार मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

17 सितंबर से शुरू होगा 'सेवा संकल्प अभियान', जन-जन तक पहुंचाई जाएंगी मोदी सरकार की उपलब्धियां

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के निरंतर सेवाकाल की जनकल्याणकारी उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा प्रत्येक नागरिक को 'विकसित भारत @2047' के राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ने के उद्देश्य से आगामी 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' को लेकर मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार, हापुड़ में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश सरकार के प्रभारी मंत्री केपी मलिक ने की।बैठक में प्रभारी मंत्री ने अभियान के तहत शामिल 13 प्रमुख बिंदुओं को लेकर अधिकारियों एवं पार्टी पदाधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में विश्व पटल पर भारत का मान-सम्मान बढ़ा है। अभियान को सफल बनाने की जिम्मेदारी सभी की है और मिलकर इसे जन-जन तक पहुंचाना है। क्षेत्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण मित्तल ने कहा कि मोदी सरकार ने देशहित और जनकल्याण के लिए अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। इन उपलब्धियों की जानकारी आम जनमानस तक पहुंचाना अभियान का प्रमुख उद्देश्य है। जिला अध्यक्ष कविता माधरे ने जनपद आगमन पर प्रभारी मंत्री का स्वागत किया। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नागर, विधायक हरेंद्र तेवतिया, धर्मेश तोमर, विजयपाल आढ़ती, जिलाधिकारी कविता मीणा, सीडीओ श्रुति शर्मा, पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह, राकेश बजरंगी, जिला महामंत्री श्यामेन्द्र त्यागी, राहुल उपाध्याय, राजसुंदर तेवतिया, राजीव शर्मा, पुनीत गोयल, पायल गुप्ता, हितेश मोदी, जयभगवान शर्मा, पिंकी त्यागी, संगीता पुरुषोत्तम, अंशुल मित्तल सहित पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लोक सेवक को कर्तव्य निर्वहन से रोकने के मामले में नामित आरोपी गिरफ्तार

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़/बाबूगढ़। थाना बाबूगढ़ पुलिस ने लोक सेवक को उसके कर्तव्य के निर्वहन से रोकने के मामले में नामित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार जनपद में अपराध की रोकथाम एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई।पुलिस ने बताया कि थाना बाबूगढ़ में दर्ज मु0अ0सं0 288/2026, धारा 132, 262, 263, 351(3), 352 बीएनएस में वांछित/नामजद अभियुक्त गोलू उर्फ ऋतिक पुत्र बिल्लू निवासी ग्राम कोटा हरनाथपुर, थाना बाबूगढ़, जनपद हापुड़ को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उ0नि0 रोहित कुमार, उ0नि0 हरेंद्र सिंह, हे0का0 800 राहुल कुमार तथा का0 965 फिरोज, थाना बाबूगढ़ शामिल रहे। थाना प्रभारी बाबूगढ़ प्रवीण कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई की।

शकुंतला महाविद्यालय के छात्रों ने चांदपुर पेपर मिल का औद्योगिक भ्रमण किया गया

वेलकम इंडिया/नितिन शर्मा

चांदपुर। शकुंतला महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ०एच०जी० पाठक के निर्देशन व उप प्राचार्या डॉ ० शिवानी शर्मा के प्रबंधन में इंडस्ट्रियल सर्वे के अंतर्गत बी ०कॉम ० के सलोनी, दिया, शौर्य, मेहरीन, गुलशिफा, अलीशा, भूमिका, मोहसिन, सानिया और खुशी इत्यादि छात्र-छात्राओं का बीकॉम की असिस्टेंट प्रोफेसर हर्षि अग्रवाल और डॉ॰ मनोज कुमार के तत्वाधान में चांदपुर पेपर मिल का औद्योगिक भ्रमण किया गया। भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को कागज निर्माण प्रक्रिया उद्योग की कार्य प्रणाली का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान कराना था। औद्योगिक भ्रमण के दौरान विद्याथीर्यों ने पेपर के विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया और अधिकारियों से प्रश्न पूछ कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया तथा कागज निर्माण मशीनों के संचालन एवं तकनीकी कार्यों के बारे में बारीकी से जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर पेपर मिल के निदेशक डी.के. सिंघल, धीरज सिंगल, मैनेजर दुर्गियंत चौहान, आदित्य राजपूत एवं इलेक्ट्रिक इंजीनियर सहित उपस्थित रहे और उन्होंने छात्र-छात्राओं को पेपर मिल की उत्पादन प्रक्रिया से संबंधित सभी जानकारी छात्र-छात्राओं को प्रदान की उन्होंने छात्र-छात्राओं को बताया कि हमारे पेपर मिल में सिर्फ रीसाईकिल प्रक्रिया से ही पेपर का निर्माण किया जाता है , तीन प्रकार के पेपर बनाए जाते हैं जिसमें पेपर की कोटिगंऔर कलर कोटिंग भी की जाती है। बेस्ट मटेरियल का प्रयोग अंडों की क्रेट बाक्स बनाने में किया जाता है।

सवर्ण समाज पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाके पर हुआ मुकदमा दर्ज

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। सोशल मीडिया पर सवर्ण समाज और ब्राह्मण समाज के खिलाफ कथित अभद्र एवं आपत्तिजनक वीडियो और टिप्पणियां प्रसारित किए जाने के मामले में सवर्ण आर्मी के प्रदेश अध्यक्ष पवन मिश्रा की शिकायत पर लालगंज और लीलापुर थाने में अभियोग पंजीकृत किया गया है। पुलिस ने बताया कि दोनों मामलों में अग्रिम विधिक कार्रवाई प्रचलित है। पवन मिश्रा, निवासी झींगुर, थाना महेशगंज ने थाना लालगंज में दी गई तहरीर में आरोप लगाया था कि डिंगौसी निवासी शिव कुमार प्रजापति पुत्र रमाकांत प्रजापति द्वारा सोशल मीडिया पर एक वीडियो प्रसारित किया गया, जिसमें सवर्ण समाज के विरुद्ध कथित रूप से अभद्र एवं आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई हैं। वहीं, थाना लीलापुर में दी गई दूसरी तहरीर में पवन मिश्रा ने आरोप लगाया था कि सूरज कुमार नामक व्यक्ति द्वारा अलग-अलग सोशल मीडिया आईडी से लगातार आपत्तिजनक टिप्पणियां की जा रही हैं। तहरीर में एक एक्स हैंडल का उल्लेख करते हुए ब्राह्मण समाज के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने का आरोप लगाया गया था।

शिकायतकर्ता ने पुलिस से सोशल मीडिया पोस्ट और वीडियो की जांच कर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में कार्रवाई तथा आपत्तिजनक सामग्री के प्रसारण पर रोक लगाने की मांग की थी। पुलिस के अनुसार, दोनों प्रकरणों में थाना लालगंज और थाना लीलापुर में अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है तथा अग्रिम विधिक कार्रवाई प्रचलित है। आरोपों की सत्यता और मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच पुलिस द्वारा की जा रही है।

आपरेशन सजग- पुलिस-ग्रामीण करेंगे संयुक्त रात्रि गश्त

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ। 'ऑपरेशन सजग' के तहत गांवों में पुलिस बल और ग्राम सुरक्षा समिति के सदस्यों द्वारा संयुक्त रात्रिकालीन गश्त की व्यवस्था की गई है। इसके लिए प्रत्येक गांव का विस्तृत रोस्टर तैयार किया गया है, जिसके अनुसार निर्धारित रात्रियों में पुलिस और ग्रामीण सुरक्षा दल सक्रिय रहेंगे। इस अभियान की खास बात यह है कि गश्त की योजना अपराध के पुराने आंकड़ों के आधार पर तैयार की जा रही है। पुलिस ने उउळठर पोर्टल पर दर्ज चोरी, लूट और संपत्ति संबंधी अपराधों के घटनास्थलों का विश्लेषण कर संवेदनशील क्षेत्रों को चिन्हित किया है। ऐसे स्थानों पर पुलिस की केंद्रित और प्रभावी गश्त सुनिश्चित की जा रही है। अभियान में दूर-दराज और एकांत क्षेत्रों को विशेष प्राथमिकता दी गई है। ऐसे इलाकों में पुलिस की नियमित मौजूदगी सुनिश्चित कर ग्रामीणों में सुरक्षा और आत्मविश्वास की भावना मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। उद्देश्य यह है कि पुलिस की पहुंच केवल मुख्य बाजारों और सड़कों तक सीमित न रहे, बल्कि प्रत्येक गांव और बसावट तक पहुंचे। इसके साथ ही गांवों और कस्बों में रहने वाले फेरीवालों, किरायेदारों तथा घुमंतू व्यक्तियों के सत्यापन का विशेष अभियान भी चलाया जा रहा है। पुलिस के अनुसार इससे संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी रखने और अपराध की रोकथाम में मदद मिलेगी। 'ऑपरेशन सजग' का उद्देश्य ग्रामीणों को केवल पुलिस सुरक्षा का लाभार्थी बनाना नहीं, बल्कि उन्हें सुरक्षा व्यवस्था का सक्रिय भागीदार बनाना है। पुलिस का मानना है कि स्थानीय नागरिक अपने क्षेत्र की गतिविधियों से बेहतर परिचित होते हैं। ऐसे में पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय से संदिग्ध गतिविधियों की सूचना समय पर मिल सकती है और अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है। प्रतापगढ़ पुलिस ने ग्रामीणों से ग्राम सुरक्षा समितियों में सक्रिय भागीदारी करने और रात्रिकालीन गश्त में पुलिस का सहयोग करने की अपील की है। अब इस अभियान की सफलता इस बात से तय होगी कि गांवों में गश्त कितनी नियमित होती है, समितियां कितनी सक्रिय रहती हैं और अपराध नियंत्रण में इसका कितना जमीनी असर दिखाई देता है।

युगांडा की उपराष्ट्रपति जेसिका अलूपो ने किया ताजमहल का दीदार

आगरा पुलिस और प्रशासन ने किया भव्य स्वागत, सुरक्षा व्यवस्था के रहे पुख्ता इंतजाम

वेलकम इंडिया/मयूर खान

आगरा। युगांडा की माननीय उपराष्ट्रपति एच.ई. जेसिका अलूपो ने सोमवार को विश्व प्रसिद्ध ताजमहल का भ्रमण किया। उन्होंने ताजमहल की अद्वितीय स्थापत्य कला और ऐतिहासिक विरासत को करीब से देखा और इसकी खूबसूरती को निहारा। युगांडा की उपराष्ट्रपति के आगरा पहुंचने पर पुलिस और जिला प्रशासन की ओर से उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। पुलिस आयुक्त आगरा दीपक कुमार (आईपीएस), अपर पुलिस आयुक्त और जिलाधिकारी समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। ताजमहल भ्रमण के दौरान सुरक्षा और यातायात समेत सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। उपराष्ट्रपति के भ्रमण को लेकर ताजमहल और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे। आगरा पुलिस और जिला प्रशासन की टीमों ने आपसी समन्वय के साथ सुरक्षा व्यवस्था संभाली, जिससे उनका भ्रमण सुरक्षित और सुचारु रूप से संपन्न हुआ।

ताजमहल की ऐतिहासिक और स्थापत्य विरासत से रूबरू होने के दौरान युगांडा की उपराष्ट्रपति ने स्मारक के विभिन्न हिस्सों का अवलोकन किया। उनके दौरे के दौरान भारतीय संस्कृति की 'अतिथि देवो भवः' की परंपरा भी देखने को मिली। आगरा पुलिस और जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा, सुगमता और आतिथ्य का बेहतर समन्वय करते हुए विदेशी अतिथि के गरिमापूर्ण भ्रमण को सफल बनाया गया। आगरा पुलिस ने कहा कि विश्वभर से आने वाले पर्यटकों और विशिष्ट अतिथियों के स्वागत, सम्मान और सुरक्षा के लिए पुलिस सदैव तत्पर है।

जेएमएस वर्ल्ड स्कूल में सीबीएसई आर्ट इंटीग्रेशन कार्यशाला आयोजित

समूह गतिविधियों के जरिए शिक्षकों ने सीखे प्रभावी एवं अनुभवात्मक शिक्षण के गुर

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। जेएमएस वर्ल्ड स्कूल में सीबीएसई के कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम के अंतर्गत 'आर्ट इंटीग्रेशन' कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में व्यावहारिक एवं अनुभवात्मक शिक्षण पर विशेष जोर दिया गया। सीबीएसई के नियमानुसार शिक्षकों के प्रतिवर्ष अनिवार्य 50 घंटे के व्यावसायिक प्रशिक्षण के तहत आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को कक्षा में समूह गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए प्रशिक्षित करना रहा। कार्यशाला की मुख्य रिसोर्स पर्सन मदरलैंड पब्लिक स्कूल, लोणी की प्रधानाचार्या श्रीमती गीता शर्मा एवं श्रीमती पूजा शर्मा ने शिक्षकों को विभिन्न रोचक एवं रचनात्मक गतिविधियों में शामिल किया। प्रतिभागी शिक्षकों ने समूहों में विभाजित होकर आर्ट इंटीग्रेटेड मॉडल, विषय आधारित नाटक, पोस्टर मेकिंग और सहयोगात्मक प्रोजेक्ट तैयार किए। गतिविधियों के माध्यम से बताया गया कि गणित, विज्ञान एवं भाषा जैसे विषयों को कला और समूह गतिविधियों से जोड़कर विद्यार्थियों के लिए अधिक रुचिकर एवं सरल बनाया जा सकता है। विद्यालय के प्रबंध निदेशक डॉ. आयुष सिंघल एवं सचिव डॉ. रोहन सिंघल ने कहा कि जब शिक्षक स्वयं गतिविधियों के माध्यम से सीखते हैं, तो वे विद्यार्थियों के लिए कक्षा में अधिक जीवंत एवं इंटरैक्टिव वातावरण तैयार कर पाते हैं। प्रधानाचार्या डॉ. निधि मलिक ने कहा कि एनईपी-2020 के तहत शिक्षण को 'लर्निंग बाय डूइंग' यानी करके सीखने की पद्धति पर केंद्रित करना आवश्यक है। समूह गतिविधियों से विद्यार्थियों की समझ गहरी होने के साथ-साथ उनमें टीमवर्क, नेतृत्व क्षमता एवं रचनात्मकता का विकास होता है। कार्यशाला में जेएमएस वर्ल्ड स्कूल के अलावा दर्शना एकेडमी, पिलखुवा एवं सेंट एंथनी स्कूल, फरीदाबाद सहित विभिन्न सीबीएसई विद्यालयों के शिक्षकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में कार्यशाला संयोजकों राकेश शर्मा, लवलेश एवं सुश्री सुमेरा का विशेष योगदान रहा।

चारधाम यात्रा-2026 की व्यवस्थाओं की मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने की समीक्षा

श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता, संवेदनशील क्षेत्रों में बढ़ाई जाएगी निगरानी

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। चारधाम यात्रा-2026 को सुरक्षित, सुगम और सुव्यवस्थित बनाने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से यात्रा व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने चारधाम यात्रा से जुड़े जनपदों के जिलाधिकारियों से यात्रा मार्गों, यातायात व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाओं, सुरक्षा इंतजाम, मौसम, भूस्खलन संभावित क्षेत्रों और श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी विभाग पूरी तरह तैयार रहें। मुख्यमंत्री ने कहा कि चारधाम यात्रा उत्तराखंड की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान से जुड़ी महत्वपूर्ण यात्रा है। इसमें देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा और सुविधा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने यात्रा मार्गों पर मौसम और भूस्खलन की स्थिति की लगातार निगरानी करने तथा संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करें, ताकि किसी भी आपात स्थिति में राहत एवं बचाव कार्य तत्काल शुरू किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने यात्रा मार्गों पर बढ़ने वाले यातायात दबाव को नियंत्रित करने के लिए होल्डिंग एरिया में आवश्यक सुविधाएं बेहतर ढंग से उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं और वाहनों को

अनावश्यक जाम में न फंसना पड़े। यात्रा के दौरान यातायात का संचालन चरणबद्ध और व्यवस्थित तरीके से किया जाए। इसके साथ ही भीड़ बढ़ने की स्थिति में तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि यात्रा मार्गों पर यातायात प्रबंधन को केवल सामान्य परिस्थितियों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि बारिश, भूस्खलन, सड़क अवरुद्ध होने और अचानक बढ़ने वाली श्रद्धालुओं की संख्या को ध्यान में रखते हुए भी तैयारियां की जाएं। मुख्यमंत्री ने श्री यमुनोत्री धाम में श्रद्धालुओं की भीड़ और आवागमन को देखते हुए धाम से लगभग 500 मीटर पहले दूसरा घोड़ा पड़ाव विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने डंडी-कंडी सेवाओं को भी व्यवस्थित करने तथा खरसाली से वैकल्पिक मार्ग के संबंध में आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि यमुनोत्री पैदल मार्ग पर श्रद्धालुओं और घोड़े-खच्चरों की आवाजाही को अलग-अलग और व्यवस्थित तरीके से संचालित किया जाए, ताकि पैदल चलने वाले यात्रियों को परेशानी न हो। सूर्यकुंड क्षेत्र में प्रभावी भीड़ प्रबंधन करने तथा श्रद्धालुओं की आवाजाही पर लगातार नजर रखने के निर्देश भी दिए गए।

मुख्यमंत्री ने यमुनोत्री पैदल मार्ग के चौड़ीकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई जल्द पूरी करने को कहा। इसके साथ ही गंगोत्री मार्ग पर चौड़ीकरण और गड्ढामुक्त करने के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने भूस्खलन संभावित क्षेत्रों की लगातार निगरानी करने तथा स्यानाचट्टी क्षेत्र में विशेष सतर्कता बरतने को कहा। ज्योतिर्मठ-मारवाड़ी मार्ग पर प्रभावी यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क अवरुद्ध होने की स्थिति में उसे जल्द खोलने के लिए आवश्यक मशीनरी मौके के आसपास उपलब्ध रखी जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि संवेदनशील मार्गों पर मशीनरी और मानव संसाधन की उपलब्धता पहले से सुनिश्चित की जाए, ताकि सड़क बंद होने पर श्रद्धालुओं को लंबे समय तक परेशानी न हो। मुख्यमंत्री ने चारों धामों में मौसम की स्थिति को ध्यान में रखते हुए श्रद्धालुओं के लिए अलाव सहित अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। विशेष रूप से केदारनाथ और बदरीनाथ यात्रा मार्गों पर स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता देने को कहा गया। उन्होंने चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ, ऑक्सीजन और आपातकालीन चिकित्सा सुविधाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में मौसम तेजी से बदल सकता है, इसलिए स्वास्थ्य एवं आपातकालीन सेवाओं को हर समय तैयार रखा जाए। जरूरत पड़ने पर मरीजों को तत्काल उपचार और सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने की व्यवस्था होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने मोबाइल नेटवर्क की समस्या वाले क्षेत्रों में आपातकालीन संचार व्यवस्था को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए।

घोड़े-खच्चरों के स्वास्थ्य परीक्षण पर जोर

मुख्यमंत्री ने चारधाम यात्रा में घोड़े-खच्चरों के संचालन के लिए निर्धारित मानकों का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यात्रा में इस्तेमाल होने वाले पशुओं का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाए और निर्धारित नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। पशुओं की क्षमता से अधिक भार न लादने और उनके साथ किसी प्रकार की लापरवाही न होने देने के भी निर्देश दिए गए। केदारनाथ पैदल मार्ग के चीरबासा और भैरव ग्लेशियर क्षेत्र में विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि संवेदनशील स्थानों पर यात्रियों, घोड़े-खच्चरों और डंडी-कंडी की आवाजाही को सुव्यवस्थित रखा जाए। किसी भी तरह की आपात स्थिति उत्पन्न होने पर तत्काल रेस्क्यू की व्यवस्था उपलब्ध होनी चाहिए।

शिक्षा को लेकर जेन-जी ने किया प्रदर्शन

विरोध स्वरूप कक्षा 12 की छात्राओं कॉलेज के बाहर गेट पर बैठ की पढ़ाई

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। अपने कैरियर को लेकर विद्यार्थियों में जागरूकता धीरे धीरे बढ़ती जा रही है। मोटी फीस देने के बाद भी अच्छी गुणवत्ता शिक्षा बच्चों का अधिकार है, यदि वह न मिले तो होशियार बच्चे जागरूक हो हक की आवाज हिम्मत कर उठा देते हैं। लेकिन अफसोस की शिक्षा अधिकारियों को यह सब देखने की फुर्सत नहीं है ओर मुकदर्शक बने रहते है। मामला राधेश्याम जमुनादेवी बालिका इंटर कॉलेज छाता का है। 1200 रुपये प्रतिमाह फीस देने के बाद भी योग्य टीचर्स नियुक्त नहीं है ओर जेन जी से प्रभावित होकर विद्यालय की छात्राओं ने विरोध स्वरूप कॉलेज के मुख्य गेट पर बैठ अपनी पढ़ाई की। कक्षा 12 की कॉमर्स की छात्रा मोनिका चौधरी का आरोप है कि कॉमर्स के टीचर मुकुल को सही ढंग से हिंदी अंग्रेजी तक पढ़नी नहीं आती है, गूगल देख कर पढ़ाई कराते है, जब कुछ पूछते है तो अभद्र व्यवहार करते है। एक अन्य छात्रा संध्या ने बताया की यह गंगा श्याम शर्मा का विद्यालय है, और वह गांधी इंटर कॉलेज छाता में क्लर्क है। विद्यालय की मैनेजर उनकी पत्नी राधा शर्मा है, उनके बेटे की पत्नी प्रिंसिपल हैं, बेटी बेटा और अन्य परिजन मैनेजमेंट ओर टीचर बने हुए है। कक्षा 12 में 10 साइंस ओर 20 कॉमर्स की छात्रा पढ़ती हैं पढ़ाई का स्तर खत्म हो चुका है। इस सबध में जिला विद्यालय निरीक्षक मथुरा ओर जिलाधिकारी मथुरा से शिकायत की लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। छात्राओं की मांग है कि बोर्ड परीक्षा फरवरी में शुरू हो जाएगी और अब समय कम है। विद्यालय में तत्काल योग्य टीचर की भर्ती की जाए। बच्चों से अभद्र व्यवहार करने वाले विद्यालय प्रबंधन गंगा श्याम शर्मा खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाए। दूसरी ओर विद्यालय प्रबंधन का कहना है कि विद्यालय में योग्य शिक्षक है। अब देखने वाली बात यह है कि जिला विद्यालय निरीक्षक मथुरा राघवेंद्र सिंह विद्यालय के खिलाफ क्या कार्यवाही करते हैं।

राज्यपाल पुरष्कार पाने वाले शिक्षकों को उ.प्र. माध्यमिक शिक्षक संघ ने किया सम्मानित

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। हीरालाल रामनिवास इंटरकालेज खलीलाबाद के प्रधानाचार्य अरुण कुमार ओझा व शिक्षक अभिषेक कुमार सिंह को शिक्षक राज्यपाल पुरष्कार से प्रदेश सरकार के द्वारा प्रदान किये जाने पर मंगलवार को उत्तरप्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने शिक्षकों को फूलमाला पहनाकर भव्य स्वागत करते हुये सम्मानित किया। शिक्षक संघ के जिला महामंत्री गिरिजनन्द यादव ने कहा कि हमारे जिले के प्रतिष्ठित संस्थान हीरालाल राम निवास इंटरकालेज खलीलाबाद के प्रधानाचार्य अरुण कुमार ओझा व शिक्षक अभिषेक सिंह को प्रदेश सरकार ने राज्यपाल पुरष्कार देकर सम्मानित किया है।यह हम सभी शिक्षकों व जिले के लिये गौरव की बात है। इस अवसर पर विजय कुमार यादव, पुनीत कुमार त्रिपाठी,ज्ञान प्रकाश राय,रमेश पांडे, मनोज मिश्रा, संत मोहन त्रिपाठी, मदनलाल, राम मूरत, अनिल भास्कर आदि लोगों ने बधाई देते हुये शुभकामनाएं दी हैं।

एसपी व पुलिस अधिकारियों ने किया कॉलेज का निरीक्षण

मिशन शक्ति एवं साइबर जागरूकता अभियान के तहत छात्राओं को किया जागरूक

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। मंगलवार को पुलिस उप-महानिरीक्षक बस्ती परिक्षेत्र, बस्ती संजीव त्यागी, पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना की उपस्थिति में महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु चलाए जा रहे 'मिशन शक्जि' (फेज-5.0) एवं साइबर सुरक्षा व जागरूकता अभियान के अंतर्गत आज 'गंगा देवी कपिल देव तिवारी पीजी कॉलेज भुजैनी खलीलाबाद' में एक भव्य जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय, प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली खलीलाबाद जयप्रकाश दूबे सहित अन्य पुलिस अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित छात्राओं व महिलाओं को संकट के समय सहायता के लिए जारी विभिन्न आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों–112 (आपातकालीन सेवा), 1090 (महिला पावर हेल्पलाइन), 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन) एवं 1930 (साइबर क्राइम हेल्पलाइन) की विस्तृत जानकारी दी गई।

पुलिस अधिकारियों द्वारा वर्तमान में बढ़ रहे डिजिटल व साइबर अपराधों (जैसे ओटीपी फ्रॉड, सोशल मीडिया हैकिंग, फाइनेंशियल फ्रॉड आदि) से सतर्क रहने और अपने व्यक्तिगत डेटा को सुरक्षित रखने के तरीके समझाए गए। किसी भी साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल 1930 पर शिकायत दर्ज कराने हेतु प्रेरित किया गया। महिलाओं / छात्राओं को उनके अधिकारों, मिशन शक्ति केंद्र तथा पिंक बूथ के माध्यम से मिलने वाली त्वरित सहायता के संबंध में जागरूक किया गया। कार्यक्रम के अंत में पुलिस अधिकारियों द्वारा विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर देकर उनकी शंकाओं का समाधान किया गया तथा उन्हें समाज में कानून व सुरक्षा के प्रति जागरूक नागरिक बनने का संदेश दिया गया।

आवारा कुत्तों का आतंक, एक दर्जन लोगों को काटकर किया घायल

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। नगर और क्षेत्र में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। आए दिन कुत्ते महिला, पुरुषों और बच्चों पर हमला कर उन्हें घायल कर रहे हैं। करीब एक दर्जन लोग कुत्तों के काटने से घायल होकर सरकारी अस्पताल पहुंचे। चिकित्सकों ने सभी को एंटी रेबीज वैक्सीन लगाई।घायलों में मुर्तजा पुत्र आस मोहम्मद निवासी खेड़ा कुर्तान, यूनीक पुत्र प्रदीप निवासी सरनावली, आर्यन पुत्र कुलदीप निवासी पजोखरा, तैमूर पुत्र तहसीम निवासी कांधला, मीता, समुद्री, बिलाल निवासी मलकपुर, अयान व जैनब निवासी मलकपुर तथा सुदेश निवासी बरहमखेड़ा शामिल रहे।डॉ. सुमित कुमार ने बताया कि सभी घायलों को एंटी रेबीज वैक्सीन दी गई है। साथ ही उन्हें आवारा जानवरों से सावधान रहने की सलाह दी गई। लोगों ने नगर में आवारा कुत्तों और बंदरों के आतंक पर अंकुश लगाने की मांग की है।

मिशन शक्ति टीम ने 10 वर्षीय किशोरी को दो घंटे में सकुशल बरामद किया

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। कस्बे के गंगेरू मार्ग से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हुई 10 वर्षीय किशोरी को पुलिस की मिशन शक्ति टीम ने तत्परता दिखाते हुए कुछ ही घंटों में सकुशल बरामद कर लिया। किशोरी के मिलने के बाद पुलिस ने उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया। बेटी के सकुशल मिलने पर परिजनों ने राहत की सांस ली और खुशी-खुशी उसे अपने साथ घर ले गए।उप निरीक्षक रणवीर सिंह ने बताया कि गंगेरू मार्ग निवासी जाहिद की 10 वर्षीय पुत्री जिया घर से अचानक लापता हो गई थी। काफी तलाश करने के बाद भी किशोरी का कोई सुराग नहीं मिलने पर उसकी मां इसराना थाने पहुंचीं और पुलिस को मामले की जानकारी देते हुए पुत्री को सकुशल बरामद करने की गुहार लगाई।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर मिशन शक्ति टीम समेत पुलिस की टीम को किशोरी की तलाश में लगाया गया। पुलिस टीम ने आसपास के क्षेत्रों में तलाश शुरू करने के साथ ही किशोरी के संबंध में जानकारी जुटाई। पुलिस की सक्रियता और लगातार किए गए प्रयासों के चलते कुछ ही घंटों के भीतर किशोरी को सकुशल बरामद कर लिया गया।किशोरी के मिलने की सूचना पुलिस ने उसके परिजनों को दी। थाने पहुंचे परिजनों ने बेटी को सकुशल देखकर पुलिस का आभार जताया। आवश्यक कार्रवाई के बाद पुलिस ने किशोरी को परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

कोटवन में 22 को होगा कबड्डी का महादंगल, विजेता को 1.11 लाख

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/कोसीकलां। प्राचीन कनुआ बाबा मेले के अवसर पर गांव कोटवन में 22 सितंबर को विशाल सर्किल कबड्डी टूनार्मेंट का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता दोपहर 12 बजे से शुरू होगी। जिला पंचायत सदस्य चौधरी जिले सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी करेंगे। टूनार्मेंट में क्षेत्र और दूरदराज के इलाकों की नामी टीमें हिस्सा लेकर अपना दमखम दिखाएंगी। प्रतियोगिता में प्रथम विजेता टीम को 1 लाख 11 हजार रुपये, द्वितीय टीम को 71 हजार रुपये तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 51 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। आयोजन को लेकर खेल प्रेमियों में उत्साह है। आयोजकों ने कबड्डी टीमों और खेल प्रेमियों से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की है।

सेवा संकल्प अभियान की बैठक में सफाई व्यवस्था पर उठे सवाल

कांधला (वेलकम इंडिया)। शासन के निर्देश पर मंगलवार को नगरपालिका परिषद में स्वच्छता ही सेवा, सेवा संकल्प अभियान को लेकर बैठक आयोजित की गई। पालिका अध्यक्ष की अध्यक्षता में हुई बैठक का संचालन सफाई लिपिक अमरेश कुमार ने किया। बैठक में भाजपा पदाधिकारी, सभासद और व्यापार मंडल के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में 17 सितंबर को रक्तदान एवं आशीर्वाद कार्यक्रम तथा 25 सितंबर से 2 अक्तूबर तक 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान चलाने की जानकारी दी गई। इस दौरान कस्बे की बदहाल सफाई व्यवस्था को लेकर भाजपा पदाधिकारियों और सभासदों ने नाराजगी जताई। उन्होंने जगह-जगह लगे गंदगी के ढेर और सफाई व्यवस्था से जुड़ी समस्याएं अधिशासी अधिकारी पूर्णिमा के सामने रखीं।रक्षाबंधन पर पांच दिन तक सफाई कर्मचारियों के अवकाश का मुद्दा भी उठा। पदाधिकारियों ने पूछा कि किसके आदेश पर कर्मचारियों को लगातार पांच दिन का अवकाश दिया गया, लेकिन कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला। बैठक का स्थान बदलने को लेकर भी लोगों में चर्चा रही। इस दौरान दर्जनों लोग मौजूद रहे।

कोसीकलां में 12 करोड़ रूपये की आभूषण चोरी का एडीजी ने किया खुलासा, चार गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। कोसीकलां के जुगल किशोर ज्वैलर्स में हुई करीब 12 करोड़ रुपये की सोने की चोरी का पुलिस ने महज दो दिन में खुलासा करते हुए दो भाइयों समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और निशानदेही से करीब 7 किलो सोना और करीब 11 लाख रुपये नकद बरामद किए हैं। चोरी का खुलासा करते हुए एडीजी एसके भगत ने बताया कि 13 सितंबर को जुगल किशोर ज्वैलर्स में अज्ञात लोगों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए डीआईजी आगरा और एसएसपी मथुरा ने मौके पर पहुंचकर जांच की निगरानी शुरू की। एसटीएफ आगरा, एसओजी मथुरा और कोसीकलां पुलिस की संयुक्त टीमों ने जांच करते हुए मंगलवार को गोपालबाग से मुख्य आरोपी विष्णु उर्फ पप्पू सोनी और उसके भाई मोहन सोनी निवासी रामनगर, कोसीकलां समेत दो महिला सह-अभियुक्ताओं को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों से चोरी का सोना और नकदी बरामद करने के साथ डीवीआर, लॉकर की चाबी, घटना के समय पहने कपड़े, झोला, गैस कटर और वायर कटर समेत चोरी में शामिल अन्य सामान भी बरामद किया है। पुलिस टीम में एसपी ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत, एसटीएफ आगरा के एएसपी राकेश यादव, सीओ छाता भूषण वर्मा, कोसीकलां प्रभारी निरीक्षक कमलेश सिंह समेत एसटीएफ, एसओजी और कोसीकलां, शेरगढ़ व जैत थाना पुलिस की टीमें शामिल रहीं। पुलिस मामले में बरामदगी और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

गोवर्धन परिक्रमा मार्ग पर श्रद्धालु युवती पर हमला, नाक में पहनी लौंग लेकर भागा आरोपी

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। धर्मनगरी गोवर्धन में मंगलवार को गिरिराज परिक्रमा के दौरान एक सनसनीखेज घटना सामने आई। बड़ी परिक्रमा मार्ग स्थित गिरिराज तलहटी में परिक्रमा कर रही मुंबई निवासी कश्मीरी पंडित मूल की श्रद्धालु युवती पर एक अज्ञात युवक ने कथित रूप से हमला कर दिया। आरोप है कि युवक ने युवती की नाक पर दांतों से काट लिया, जिससे वह लहूलुहान हो गई। वारदात के बाद आरोपी युवती की नाक में पहनी लौंग लेकर मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही गोवर्धन पुलिस मौके पर पहुंची और युवती से पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। घटना के संबंध में आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि हमलावर की पहचान की जा सके। बताया गया है कि श्रद्धालु युवती पिछले करीब छह माह से गोवर्धन में रह रही थी। वह छोटी परिक्रमा मार्ग स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर के समीप एक कॉलोनी में ठहरी हुई थी और प्रतिदिन गिरिराज महाराज की परिक्रमा करती थी। मंगलवार को भी वह बड़ी परिक्रमा मार्ग से परिक्रमा कर रही थी। इसी दौरान एक अज्ञात युवक ने कथित रूप से अचानक उस पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से युवती घबरा गई और मदद के लिए चीख-पुकार मचाने लगी। हमले में उसकी नाक से खून निकलने लगा और चेहरे तथा कपड़ों पर खून लग गया। घटना के बाद परिक्रमा मार्ग पर मौजूद श्रद्धालुओं में भी कुछ समय के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। घटना के बाद आरोपी युवक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और युवती से पूछताछ कर घटना की जानकारी जुटाई। पुलिस अब आसपास के सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगाल रही है, जिससे आरोपी की पहचान हो सके।

कर्मचारियों की समस्याओं एवं जायज मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ, शाखा जिला मथुरा की ओर से जनपद न्यायालय मथुरा के समस्त सम्मानित कर्मचारियों की भावनाओं, समस्याओं एवं जायज मांगों को ध्यान में रखते हुए माननीय कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं एवं मांगों की ओर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुए उनके सकारात्मक एवं सहानुभूतिपूर्ण समाधान की अपेक्षा व्यक्त की गई। इस अवसर पर कर्मचारी संघ की ओर से कहा गया कि कर्मचारियों के हितों से जुड़े विषयों के समाधान के लिए एकजुटता, सहयोग एवं लोकतांत्रिक तरीके से निरंतर प्रयास किए जाते रहेंगे। कर्मचारियों की एकता ही उनकी सामूहिक शक्ति है और अपने अधिकारों एवं हितों की आवाज को मजबूती से शासन तक पहुंचाना संघ का प्रमुख उद्देश्य है। इस महत्वपूर्ण प्रयास को सफल बनाने में अपना अमूल्य समय, सहयोग एवं सहभागिता प्रदान करने वाले दीवानी न्यायालय, मथुरा के समस्त सम्मानित कर्मचारी साथियों के प्रति कर्मचारी संघ ने हृदय से आभार एवं कोटि-कोटि धन्यवाद व्यक्त किया। संघ ने विश्वास व्यक्त किया कि कर्मचारियों की जायज मांगों एवं समस्याओं पर शासन स्तर से सकारात्मक एवं सहानुभूतिपूर्ण विचार करते हुए शीघ्र उचित कार्यवाही की जाएगी। इस अवसर पर शाखा मथुरा के अध्यक्ष रूप किशोर शर्मा, सचिव राम नरेश शर्मा, जितेंद्र शर्मा, मनोज चौधरी, यशपाल, बबलू कुमार, पंकज वर्मा, विष्णु प्रभाकर आदि उपस्थित रहे।

विकास योजनाओं में सुस्ती पर डीएम नाराज, समय से काम पूरा कराने के निर्देश

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड (विकास कार्य) और निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक हुई। जिलाधिकारी ने विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने और निर्धारित लक्ष्य समय से पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, पीएम कुसुम, फसल अवशेष प्रबंधन, छात्रवृत्ति, पेंशन, जननी सुरक्षा योजना, जल जीवन मिशन समेत अन्य योजनाओं की समीक्षा की गई। जननी सुरक्षा योजना और जल जीवन मिशन की प्रगति कम मिलने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पात्र लाभार्थियों का सत्यापन कर उन्हें सभी संबंधित योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। विद्युत विभाग की समीक्षा में निर्धारित समय सीमा के भीतर खराब ट्रांसफार्मर बदलने और रोस्टर के अनुसार विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जीरो पॉवर्टी योजना के तहत पात्र परिवारों का सत्यापन कर उन्हें लाभार्थीपरक योजनाओं से जोड़ने को कहा। स्वयं सहायता समूहों का गठन कर उन्हें रिवॉल्विंग फंड उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। सीएमआईएस पोर्टल पर लंबित परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए डीएम ने कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारियों को निर्माण कार्यों में तेजी लाकर निर्धारित समय में पूरा कराने को कहा। अधिशासी अभियंताओं और परियोजना प्रबंधकों को चल रहे कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग को सड़क निर्माण कार्य समय से पूरा कराने को कहा गया। जल जीवन मिशन के तहत ओवरहेड टैंक का निर्माण पूरा कर उसकी जांच के बाद जलापूर्ति शुरू कराने, पूर्ण टैंकों में नल कनेक्शन पूरा करने तथा पाइप लाइन डालने के लिए खोदी गई सड़कों की मरम्मत कराने के निर्देश दिए गए। उप कृषि निदेशक को फार्मर रजिस्ट्री में प्रगति बढ़ाने को कहा गया। डीएम ने सभी अधिकारियों को मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर योजनाओं की प्रगति की समय से फीडिंग कराने और लक्ष्य के अनुरूप कार्य करते हुए जिले की रैंकिंग प्रथम श्रेणी में लाने के निर्देश दिए।बैठक में पंडित दीनदयाल उपाध्याय सोलर लाइट योजना, सोलर स्ट्रीट लाइट, विद्युत ट्रांसफार्मर बदलने, कृषि रक्षा रसायन डीबीटी, 102 एंबुलेंस सेवा, टेली रेडियोलॉजी, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम, मोबाइल मेडिकल यूनिट, दिव्यांग पेंशन आधार सीडिंग, सामाजिक वनीकरण, पशु टीकाकरण, कृत्रिम गभार्धान, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, निराश्रित महिला पेंशन, कन्या विवाह सहायता और वृद्धावस्था पेंशन समेत विभिन्न योजनाओं की समीक्षा हुई। इसके अलावा नेडा, उद्यान, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, मनरेगा, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, जल निगम, पंचायती राज, पर्यटन, वन, प्राथमिक शिक्षा, पशुधन, मत्स्य, महिला एवं बाल विकास, समाज कल्याण, फसल बीमा, किसान सम्मान निधि, लोक निर्माण तथा श्रम एवं सेवायोजन विभाग के कार्यों की भी समीक्षा की गई। 50 लाख रुपये से अधिक की निर्माण परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए डीएम ने कहा कि सभी निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समय से पूरे किए जाएं। पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं का टीम गठित कर सत्यापन कराया जाए और सत्यापन के बाद उन्हें संबंधित विभाग को शीघ्र हस्तांतरित किया जाए। बैठक में डीएफओ नीला एम, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गौरव श्रीवास्तव, जिला विकास अधिकारी राजमणि वर्मा, डीसी मनरेगा संदीप सिंह, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी बीएस यादव, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग कमल किशोर, जिला विद्यालय निरीक्षक अरुण कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेष कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी वाचस्पति झा समेत संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

मझोला-अमरिया- जहानाबाद से बहेड़ी क्षेत्र को 115.54 करोड़ की परियोजना की सौगात

सांसद जितिन प्रसाद के प्रयासों से मिली वित्तीय स्वीकृति

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। पीलीभीत सांसद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद के प्रयासों से मझोला, अमरिया, जहानाबाद से लेकर बहेड़ी क्षेत्र के लिए बड़ी विकास परियोजना को वित्तीय स्वीकृति मिली है। परियोजना के लिए 115 करोड़ 54 लाख रुपये की धनराशि जारी किए जाने की जानकारी दी गई है।वित्तीय स्वीकृति मिलने पर किसान नेता देव स्वरूप पटेल ने इसे क्षेत्र के लिए बड़ी विकास सौगात बताया। उन्होंने कहा कि परियोजना के पूरा होने से किसानों, मजदूरों और व्यापारियों को लाभ मिलेगा। इससे क्षेत्र में विकास की गतिविधियों को गति मिलने की उम्मीद है।देव स्वरूप पटेल ने कहा कि उम्मीद है कि परियोजना से जुड़े सभी निर्माण कार्य करीब एक वर्ष में पूरे कर लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में पूर्व में विकास कार्य अपेक्षाकृत कम हुए हैं, वहां इस परियोजना के माध्यम से विकास को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने वित्तीय स्वीकृति दिलाने के लिए सांसद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद का आभार जताया।

बच्चों से भरी स्कूल बस नहर मे गिरीं, मची चीख-पुकार, बाल-बाल बचे बच्चे

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। सदर थाना क्षेत्र में आज सुबह उस वक्त बड़ा हादसा होते-होते बच गया, जब बच्चों से भरी एक स्कूली मिनी बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे सूखी नहर में जा गिरी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना रेहरा-कोंडरा मार्ग पर रेहरा पेट्रोल पंप के पास की बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक सरला इंटरनेशनल एकेडमी की मिनी बस रोज की तरह सुबह बच्चों को लेने के लिए निकली थी। बस बच्चों को लेकर रेहरा की तरफ जा रही थी, तभी सड़क पर अचानक सामने आई स्कूटी को बचाने के प्रयास में चालक ने नियंत्रण खो दिया। बताया जा रहा है कि सड़क पर पड़ी गिट्टी-मोरंग और सड़क किनारे रखे विद्युत विभाग के पोल की वजह से भी स्थिति मुश्किल हो गई। स्कूटी को बचाने के दौरान बस विद्युत विभाग के एक पोल से टकराई और अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित सूखी नहर में जा गिरी। हादसे के बाद आसपास के ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे और बस में फंसे बच्चों को बाहर निकाला। गनीमत रही कि हादसे में किसी बच्चे की जान नहीं गई। कुछ बच्चों को हल्की-फुल्की चोटें आईं, जिन्हें उपचार के लिए ले जाया गया। उपचार के बाद कुछ बच्चों को उनके घर भेज दिया गया, जबकि कुछ बच्चे स्कूल में पहुंचकर पढ़ाई कर रहे हैं। वहीं, स्कूल के प्रधानाचार्य ने बताया कि सड़क पर पड़ी गिट्टी और विद्युत विभाग के पोल की वजह से स्कूटी को बचाने के प्रयास में हादसा हुआ। उन्होंने बताया कि सभी बच्चे सुरक्षित हैं।

इधर, हादसे की सूचना के बाद एआरटीओ सिद्धार्थनगर संजय कुमार सिंह ने भी मामले का संज्ञान लिया। एआरटीओ ने बताया कि प्रथम दृष्टया स्कूटी को बचाने के प्रयास में हादसा होने की बात सामने आई है। चालक के ड्राइविंग लाइसेंस का नंबर लिया गया है और नियमानुसार लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी। हादसे के बाद सड़क पर पड़े गिट्टी-मोरंग और अतिक्रमण को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सड़क किनारे ठेले-गाड़ियां, निर्माण सामग्री और विद्युत विभाग के पोल पड़े रहने से आए दिन हादसे का खतरा बना रहता है। हादसे के बाद मीडिया के मौके पर पहुंचने पर गिट्टी को जेसीबी की मदद से हटाया गया, लेकिन विद्युत विभाग के पोल अभी भी सड़क किनारे पड़े हुए हैं। फिलहाल गनीमत रही कि इस हादसे में सभी बच्चे सुरक्षित बच गए। लेकिन सड़क पर अतिक्रमण और लापरवाही अगर इसी तरह जारी रही, तो भविष्य में बड़ा हादसा हो सकता है।

कृषि भवन सभागार में नैनो उर्वरक एवं अन्य उत्पाद का प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

सिद्धार्थनगर (वेलकम इंडिया)। जनपद सिद्धार्थनगर के कृषि भवन सभागार में इफको के द्वारा नैनो उर्वरक एवं अन्य उत्पादकों पर आधारित बिक्री केन्द्रों का प्रशिक्षण कराया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता में इफको डेलिगेट श्री हनुमंत प्रताप सिंह रहे तथा मुख्य अतिथि उप कृषि निदेशक राजेश कुमार रहें। इन्होंने बिक्री केन्द्र के प्रभारियों को उर्वरक कम और मिट्टी को सुधार करवाने के लिए किसान बन्धुओं को समझाया जाये कि यूरिया और डीएपी मिट्टी में कम मात्रा में प्रयोग करें। वही जिला कृषि अधिकारी रवि शंकर पाण्डेय ने बिक्री केन्द्र प्रभारियों को जानकारी देते हुए कहा कि किसान बन्धुओं को कम यूरिया और डीएपी की मात्रा कम करने की सलाह दें। इसके अलावा नैनो प्लस यूरिया और नैनो डीएपी के बारें में सुझाव दें और कहा कि दानेदार उर्वरक से मिट्टी की शक्ति को कमजोर कर देती है। इफको एमसी के क्षेत्रीय अधिकारी योगेन्द्र कुमार ने दवा के बारे में सलाह देते हुए कहा कि कम दाम में अच्छी दवा किसान को कही जाना नहीं पड़ेगा। इसके साथ ही इफको एमसी की खरीद के दवा पर नि:शुल्क बीमा दिया जायेगा। प्रशिक्षण में इफको क्षेत्रीय अधिकारी शिशुपाल, आईएफएफडीसी से आलोक दीक्षित, संजय मौर्य एवं लगभग 60 इफको केन्द्र बिक्री के प्रभारी उपस्थित रहे।

ओम प्रकाश राजभर का 63वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर का 63वां जन्मदिन मंगलवार को पीलीभीत में पार्टी कार्यकताओं ने धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कैबिनेट मंत्री के प्रतिनिधि कैफ रजा ने की। इस दौरान कार्यकताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जन्मदिन की खुशी का इजहार किया और ओम प्रकाश राजभर के दीघार्यु होने की कामना की।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कैफ रजा ने कहा कि ओम प्रकाश राजभर गरीब, पिछड़े और वंचित समाज की आवाज बनकर लगातार संघर्ष करने वाले सच्चे जननेता हैं। उन्होंने पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक और गरीब वर्ग के लोगों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए उन्हें अपनी बात रखने के लिए राजनीतिक मंच उपलब्ध कराया है।उन्होंने कहा कि ओम प्रकाश राजभर ने शिक्षा, स्वास्थ्य, सम्मान और समाज के प्रत्येक वर्ग के हक-अधिकार की लड़ाई को मजबूती से आगे बढ़ाने का काम किया है। उनके संघर्ष और विचारों से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में लोग सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी से जुड़ रहे हैं।कैफ रजा ने दावा किया कि पार्टी की नीतियों और संगठन की सक्रियता के चलते रोजाना बड़ी संख्या में लोग संगठन से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर कार्यकर्ता अभी से तैयारियों में जुटे हैं। एनडीए के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश में तीसरी बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने के लक्ष्य के साथ पार्टी पूरी मजबूती से काम करेगी।कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं ने ओम प्रकाश राजभर के समर्थन में नारे लगाए और उनके राजनीतिक संघर्ष की सराहना की। साथ ही संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने का संकल्प लिया गया।

दबंगों ने रोका अन्नपूर्णा भवन का निर्माण, ग्राम प्रधान ने डीएम से कार्रवाई की लगाई गुहार

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। विकासखंड बढ़नी की ग्राम पंचायत झरुआ में अन्नपूर्णा भवन (मॉडल फेयर प्राइस शॉप) का निर्माण कार्य कथित अवैध हस्तक्षेप के कारण करीब एक वर्ष से बाधित है। ग्राम प्रधान वीरेंद्र जायसवाल ने जिलाधिकारी को प्रार्थनापत्र देकर मामले में हस्तक्षेप करते हुए पुलिस की मौजूदगी में स्थल का सीमांकन कराने और निर्माण कार्य पूरा कराने की मांग की है। ग्राम प्रधान के मुताबिक शासन की प्राथमिकता योजना के तहत खाद्य एवं रसद विभाग के बजट से अन्नपूर्णा भवन के निर्माण को स्वीकृति मिली थी। भवन निर्माण के लिए राजस्व विभाग की टीम ने भूमि का चयन और पैमाइश की थी। ग्राम पंचायत का प्रस्ताव पारित होने के बाद उपजिलाधिकारी, खंड विकास अधिकारी, तहसीलदार और क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी की चार सदस्यीय संयुक्त समिति ने भी प्रस्ताव को अनुमोदित किया था। प्रार्थनापत्र के अनुसार प्रशासनिक स्वीकृति मिलने के बाद निर्माण कार्य शुरू कराया गया और भवन का काफी हिस्सा बनकर तैयार हो गया। आरोप है कि पिछले करीब एक वर्ष से गांव के कुछ लोग निर्माण स्थल पर कथित रूप से अवैध हस्तक्षेप कर कार्य को बाधित कर रहे हैं। ग्राम प्रधान ने प्रार्थनापत्र में मल्हू पुत्र मुरली, प्रभूनाथ पुत्र मुरली, पवन पुत्र मुरली, मुरली पुत्र अशर्फी, जगमाती पत्नी बरखू, अंजनी पत्नी प्रभूनाथ, अज्ञा पुत्र शीला पत्नी पवन समेत कुछ लोगों के नाम दिए हैं। ग्राम प्रधान का कहना है कि मामले में पूर्व में उपजिलाधिकारी और तहसीलदार को कई बार लिखित शिकायत दी जा चुकी है। इसके बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से शासकीय धन के उपयोग और जनहित का कार्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व तहसीलदार द्वारा भी विपक्षी पक्ष के साथ बैठक कर निर्माण स्थल बदलने की बात कही गई थी।

ब्लॉक प्रमुख ने महिला चौपाल में सुनीं समस्याएं, योजनाओं की दी जानकारी

महिलाओं को सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर मिलना ही सच्चा सशक्जिकरण : सभ्यता देवी वर्मा

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। विकासखंड मरौरी की ग्राम पंचायत गांधीनगर कॉलोनी, अशोकनगर कॉलोनी और पांडे कॉलोनी में ब्लॉक प्रमुख की ओर से महिला चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में महिलाओं से संवाद कर उनका कुशलक्षेम जाना गया और उनकी समस्याओं को सुनकर संबंधित स्तर पर निस्तारण कराने का आश्वासन दिया गया। इस दौरान सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी महिलाओं को दी गई।चौपाल में कल्पना नाथ, निरंजन डाली, रेखा सना, कंचन विश्वास, सरिता मंडल, सुशीला साना, नमिता मंडल, नयनतारा व्यापारी और गंगा बैरागी समेत अन्य महिलाएं मौजूद रहीं।ब्लॉक प्रमुख ने कहा कि नारी केवल परिवार की जिम्मेदारी निभाने वाली नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के निर्माण की मजबूत आधारशिला है। आज बेटियां शिक्षा, राजनीति, प्रशासन, व्यवसाय, खेल सहित हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और मेहनत से नई पहचान बना रही हैं। ऐसे में जरूरत केवल नारी की प्रशंसा करने की नहीं, बल्कि उसकी मेहनत, संघर्ष, प्रतिभा और निर्णय लेने की क्षमता को वास्तविक सम्मान देने की है। उन्होंने कहा कि एक महिला जब अपने सपनों के लिए आगे बढ़ती है तो उसके सामने अनेक चुनौतियां आती हैं, लेकिन हौसले और मेहनत के आगे ये चुनौतियां छोटी पड़ जाती हैं। नारी को अवसर, उसकी मेहनत को पहचान और उसकी आवाज को सम्मान मिलना ही वास्तविक महिला सशक्तिकरण है।

साइबर ठगी पर शिकंजे की तैयारी, बैंक प्रबंधकों के साथ पुलिस की अहम बैठक

एमआरएम और जीआरएम पोर्टल की दी तकनीकी जानकारी, डिजिटल अरेस्ट समेत नए साइबर अपराधों पर मंथन

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। जनपद में बढ़ते साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने और साइबर ठगी के पीड़ितों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मंगलवार को पुलिस लाइन में जनपदीय साइबर सेल और बैंक प्रबंधकों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में हुई बैठक में साइबर अपराध की रोकथाम के साथ ही पुलिस और बैंकिंग संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया गया।बैठक में जनपदीय साइबर सेल प्रभारी मय टीम, जनपद के बैंक लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर (एलडीएम) तथा विभिन्न बैंकों की मुख्य शाखाओं के प्रबंधक मौजूद रहे। साइबर सेल की टीम ने बैंक अधिकारियों को एमआरएम और जीआरएम पोर्टल के संबंध में विस्तार से तकनीकी जानकारी दी। साथ ही साइबर मुख्यालय से जारी दिशा-निर्देशों से भी बैंक प्रबंधकों को अवगत कराया गया।अधिकारियों ने साइबर ठगी के बदलते तरीकों को लेकर भी विस्तार से चर्चा की। बैठक में ऑनलाइन बैंकिंग के माध्यम से होने वाली धोखाधड़ी, ठगों द्वारा अपनाए जा रहे नए तौर-तरीकों और लोगों को निशाना बनाने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया गया। विशेष रूप से डिजिटल अरेस्ट जैसे मामलों की रोकथाम को लेकर पुलिस और बैंक अधिकारियों के बीच समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया गया।साइबर सेल ने कहा कि किसी भी साइबर अपराध की सूचना मिलने पर समय से कार्रवाई बेहद महत्वपूर्ण होती है। पुलिस और बैंकिंग संस्थानों के बीच तत्काल समन्वय होने से पीड़ित के खाते से निकाली गई धनराशि को रोकने या उसके संबंध में प्रभावी कार्रवाई की संभावना बढ़ जाती है।बैठक में आमजन को साइबर अपराध के प्रति जागरूक करने पर भी विशेष जोर दिया गया। बैंक अधिकारियों से ग्राहकों को संदिग्ध फोन कॉल, संदेश, लिंक और ऑनलाइन ठगी के नए तरीकों से सावधान करने की अपील की गई।पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए तकनीकी संसाधनों के साथ-साथ पुलिस, बैंक और आमजन के बीच बेहतर तालमेल जरूरी है। बैठक का मुख्य उद्देश्य साइबर शिकायतों के त्वरित निस्तारण के साथ पीड़ितों को समय पर सहायता उपलब्ध कराना रहा।

19 साल से जंगल में कटान पीड़ितों का वनवास, 60 परिवारों को आबादी मिली, 125 परिवार आज भी आशियाने की आस में

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। वर्ष 2007 में शारदा नदी के भीषण भू-कटान ने अशोक नगर गांव का अस्तित्व ही मिटा दिया था। देखते ही देखते पूरा गांव नदी की धारा में समा गया और सैकड़ों परिवार बेघर हो गए। मजबूरी में विस्थापित ग्रामीणों ने पास के जंगल में छप्परपोश घर बनाकर किसी तरह अपना जीवन शुरू किया। करीब 19 वर्ष गुजर जाने के बाद भी बड़ी संख्या में परिवारों की जिंदगी उसी बदहाल स्थिति में अटकी हुई है। आबादी उपलब्ध कराने की मांग के बावजूद करीब 200 परिवारों में से महज 60 परिवारों को ही आबादी मिल सकी, जबकि लगभग 125 परिवार आज भी अपने स्थायी आशियाने की राह देख रहे हैं। आबादी की मांग को लेकर ग्रामीण कई बार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के दरवाजे खटखटा चुके हैं, लेकिन हर बार आश्वासन मिलने के बाद मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है। सोमवार को दर्जनों कटान पीड़ित अशोक नगर में एकत्र हुए और शासन-प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताते हुए विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने जल्द आबादी उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो भूख हड़ताल शुरू करने को मजबूर होंगे। कटान पीड़ित राधेश्याम गुप्ता ने कहा कि 19 साल से परिवार जंगल में छप्परपोश घरों में रहने को मजबूर हैं। कई बार अधिकारियों से आबादी की मांग की गई, लेकिन अभी तक सिर्फ आश्वासन ही मिला है। उन्होंने कहा कि प्रशासन जल्द स्थायी आबादी उपलब्ध कराए, जिससे परिवारों को सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन मिल सके।ग्रामीणों का आरोप है कि चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों के नेता गांव पहुंचकर आबादी और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के बड़े-बड़े वादे करते हैं, लेकिन चुनाव खत्म होते ही ग्रामीणों की समस्याएं भुला दी जाती हैं।छप्परपोश घरों में रह रहे परिवारों के सामने सिर्फ मूलभूत सुविधाओं का संकट ही नहीं, बल्कि बाघ, तेंदुए और सांपों का खतरा भी बना रहता है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार बाघ और तेंदुए पशुबाड़ों से बकरी, बछिया और पालतू कुत्तों को उठा ले गए हैं। शाम होते ही वन्यजीवों के भय से लोग घरों में कैद होकर रहने को मजबूर हो जाते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि आबादी न होने के कारण उन्हें सरकारी योजनाओं और मूलभूत सुविधाओं का भी समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा है। उनका कहना है कि देश विकास की ओर तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन अशोक नगर के कटान पीड़ित परिवार आज भी 19 साल पुरानी विस्थापन की पीड़ा झेल रहे हैं। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से जल्द आबादी उपलब्ध कराने की मांग करते हुए मांग पूरी न होने पर भूख हड़ताल की चेतावनी दी है।

सीएम योगी ने अनिल शर्मा को दी श्रद्धांजलि, परिजनों से मिलकर बंधाया ढांढस

रानऊ स्थित आवंतिका फार्म हाउस पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, पुष्पचक्र अर्पित कर दिवंगत विधायक को किया नमन

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर/शिकारपुर। शिकारपुर विधानसभा क्षेत्र के दिवंगत विधायक एवं पूर्व राज्यमंत्री अनिल शर्मा को श्रद्धांजलि देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को रानऊ स्थित आवंतिका फार्म हाउस पहुंचे। मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय अनिल शर्मा के चित्र पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इसके बाद उन्होंने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए इस कठिन समय में धैर्य बनाए रखने की बात कही। उन्होंने दिवंगत अनिल शर्मा के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की और उनके प्रति अपनी गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री के पहुंचने पर परिजनों और समर्थकों ने उनका स्वागत किया। योगी आदित्यनाथ ने परिवार के सदस्यों से अलग-अलग मुलाकात कर उनका हाल जाना और उन्हें सांत्वना दी। इस दौरान परिवार के लोगों के साथ मुख्यमंत्री की भावुक मुलाकात भी हुई। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार उन्होंने अनिल शर्मा के पुत्र कुश शर्मा, पत्नी मूर्ति शर्मा, पुत्री जूही, माता राजदुलारी और भाई केशव शर्मा समेत परिजनों से मुलाकात की। अनिल शर्मा के निधन के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। इससे पहले भी उनके अंतिम संस्कार से जुड़े कार्यक्रमों और श्रद्धांजलि सभा में बड़ी संख्या में राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र के लोग शामिल हुए थे। मुख्यमंत्री के श्रद्धांजलि देने के दौरान आवंतिका फार्म हाउस पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी, व्यापारी नेता, सामाजिक कार्यकर्ता, राजनीतिक हस्तियां, समर्थक और क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे। सभी ने दिवंगत अनिल शर्मा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके निधन पर शोक व्यक्त किया। अनिल शर्मा शिकारपुर विधानसभा क्षेत्र से चार बार विधायक रहे थे। उनका दो सितंबर को दिल्ली के एक अस्पताल में कैंसर के इलाज के दौरान 63 वर्ष की आयु में निधन हुआ था। उनके निधन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी शोक व्यक्त किया था। श्रद्धांजलि सभा में मौजूद लोगों ने अनिल शर्मा के निधन को क्षेत्र के लिए क्षति बताते हुए उनके सार्वजनिक जीवन और क्षेत्र से जुड़े योगदान को याद किया। कार्यक्रम के दौरान माहौल भावुक रहा और बड़ी संख्या में लोगों ने दिवंगत विधायक को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

रोटरी क्लब काशी ने शिक्षक सदस्यों को शॉल व तुलसी पौधा भेंटकर किया गया सम्मानित

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। अंधरापुल स्थित होटल रीजेंसी में रोटरी क्लब काशी की जनरल बोर्ड मीटिंग का आयोजन किया गया। बैठक में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में क्लब के शिक्षक सदस्यों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों के समाज निर्माण में योगदान और उनके निस्वार्थ सेवा भाव को रेखांकित करते हुए उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई। इस अवसर पर क्लब के सभी शिक्षक सदस्यों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। साथ ही पर्यावरण संरक्षण और शुभता के प्रतीक के रूप में उन्हें तुलसी का पौधा भेंट किया गया। सम्मान पाकर शिक्षक सदस्यों ने क्लब के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा समाज की प्रगति का महत्वपूर्ण आधार है। शिक्षक अपने ज्ञान, अनुभव और मार्गदर्शन के माध्यम से विद्यार्थियों को न केवल शिक्षित करते हैं, बल्कि उन्हें बेहतर नागरिक बनने के लिए प्रेरित भी करते हैं। शिक्षकों का समर्पण और मार्गदर्शन आने वाली पीढ़ियों को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। रोटरी क्लब काशी की ओर से कहा गया कि शिक्षक सदस्यों का ज्ञान, सेवा और समाज के प्रति समर्पण क्लब के लिए प्रेरणादायी है। उनके योगदान का सम्मान करना क्लब के लिए गौरव का विषय है। कार्यक्रम को सफल बनाने में उपस्थित सदस्यों की सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया गया।

एक घंटे में मिली दो साल की मासूम, अस्पताल से हुई थी लापता

वेलकम इंडियासंवाददाता

स्याना (बुलंदशहर)। अस्पताल में परिजनों की नजर से ओझल हुई दो वर्षीय मासूम बच्ची के लापता होने से हड़कंप मच गया। ग्राम लौंगा निवासी युवक ने मंगलवार को थाना स्याना पहुंचकर पुलिस को बताया कि अस्पताल में किसी काम के दौरान उसकी दो वर्षीय बेटी कहीं गुम हो गई है। काफी तलाश के बावजूद बच्ची का पता नहीं चल सका। सूचना मिलते ही ऑपरेशन मुस्कान के तहत थाना प्रभारी निरीक्षक रामनारायण ने पुलिस टीम गठित कर तत्काल तलाश शुरू कराई। पुलिस टीम ने करीब एक घंटे के भीतर बच्ची को सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। मासूम के सकुशल मिलने पर परिजनों ने स्याना पुलिस का आभार जताते हुए पुलिस टीम की जमकर सराहना की। कार्रवाई करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक रामनारायण, उपनिरीक्षक विनोद अहलावत, महिला उपनिरीक्षक अंकिता और महिला हेड कांस्टेबल मंजू शामिल रहीं।

सीसी रोड में मानकों से समझौता नहीं, ईओ ने परखी गुणवत्ता

ठेकेदार की गैरमौजूदगी में प्रतिनिधियों को दिए सख्त निर्देश, समयबद्ध निर्माण पर

वेलकम इंडियासंवाददाता

शिकारपुर। नगर में विकास कार्यों की गुणवत्ता को लेकर नगर पालिका प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है। मंगलवार को अधिशासी अधिकारी नीतू सिंह ने मौहल्ला चौक स्थित चौधरी चरण सिंह छात्रावास से शहीद भगत सिंह चौक तक बन रही सीसी रोड का औचक स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण की प्रगति के साथ सड़क में इस्तेमाल हो रही सामग्री और गुणवत्ता को मौके पर परखा। इस दौरान अवर अभियंता भी मौजूद रहे। निरीक्षण के समय ठेकेदार स्वयं मौके पर मौजूद नहीं था। उसके प्रतिनिधि और निर्माण कार्य में लगे कर्मचारी वहां मिले। ईओ ने संबंधित कर्मचारियों के माध्यम से ठेकेदार को स्पष्ट संदेश दिया कि सड़क निर्माण में तकनीकी मानकों से किसी भी स्तर पर समझौता स्वीकार नहीं होगा। उन्होंने निर्माण सामग्री की गुणवत्ता और निर्धारित मानकों के अनुसार कार्य कराने के निर्देश दिए। साथ ही सड़क निर्माण को तय समय सीमा में पूरा करने को कहा। ईओ ने चेतावनी दी कि निर्माण कार्य में लापरवाही या गुणवत्ता में कमी सामने आने पर जिम्मेदारी तय की जाएगी। अधिशासी अधिकारी ने कहा कि सड़क निर्माण केवल आवागमन की सुविधा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नगरवासियों की रोजमर्रा की जरूरत से जुड़ा महत्वपूर्ण विकास कार्य है। इसलिए सड़क मजबूत, सुरक्षित और टिकाऊ होनी चाहिए। नगर पालिका का उद्देश्य विकास कार्यों का ऐसा लाभ लोगों तक पहुंचाना है, जो लंबे समय तक कायम रहे। नगर पालिका प्रशासन की ओर से नगर की मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने, आवागमन को सुगम बनाने और विकास कार्यों को गति देने के लिए विभिन्न योजनाओं पर काम किया जा रहा है।

पैतृक मकान जाते समय महिला से मारपीट का आरोप, पुलिस आयुक्त से कार्रवाई की मांग

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। भेलूपुर क्षेत्र निवासी रानी गुप्ता पत्नी गोपाल गुप्ता ने पुलिस आयुक्त, कमिश्नरेट वाराणसी को प्रार्थना पत्र देकर कुछ लोगों पर रास्ते में रोककर गाली-गलौज, अभद्रता और मारपीट करने का आरोप लगाया है। महिला ने मामले में निष्पक्ष जांच कर आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। प्रार्थना पत्र के अनुसार, 11 सितंबर 2026 को रानी गुप्ता अपने पैतृक मकान जा रही थीं। उनका आरोप है कि रास्ते में कुछ लोगों ने उन्हें रोक लिया और गाली-गलौज करते हुए उनके साथ अभद्र व्यवहार किया। विरोध करने पर आरोपितों ने कथित रूप से उनके साथ मारपीट की और उन्हें जमीन पर गिराकर लात-घूंसों से हमला किया। महिला का आरोप है कि मारपीट के दौरान उनके कपड़े भी खींचे गए, जिससे शरीर के विभिन्न हिस्सों में चोटें आईं। शोर सुनकर आसपास के लोगों के पहुंचने पर मामला शांत हुआ। रानी गुप्ता के मुताबिक, घटना की सूचना पुलिस को देने के साथ ही उनका चिकित्सकीय परीक्षण भी कराया गया। पीड़िता ने आरोप लगाया कि घटना के संबंध में प्रार्थना पत्र देने और उपलब्ध साक्ष्य प्रस्तुत करने के बावजूद अब तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने पुलिस आयुक्त से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही भविष्य में किसी अप्रिय घटना की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सुरक्षा उपलब्ध कराने का भी अनुरोध किया है।

शिकायत कर लौट रही विवाहिता और उसके पिता पर हमला

शिकारपुर। थाना क्षेत्र में दहेज उत्पीड़न के बाद विवाहिता और उसके पिता के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। अलीगढ़ के इगलास क्षेत्र निवासी विवाहिता प्रीति ने अपने पति, सास और जेठ समेत अन्य लोगों के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पीड़िता के मुताबिक, उसकी शादी करीब दो वर्ष पूर्व शिकारपुर निवासी आकाश चौधरी के साथ हुई थी। आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर उसका शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न करने लगे। प्रताड़ना से परेशान होकर वह करीब 14 महीने तक मायके में रही। इसके बाद हाल ही में वह ससुराल लौटी थी। आरोप है कि 12 जुलाई को पति ने विवाहिता के साथ मारपीट कर उसे घर से निकाल दिया। इसके बाद वह अपने पिता के साथ पुलिस से शिकायत करने गई थी। आरोप है कि शिकायत कर वापस लौटते समय ग्राम बासौटी के पास पति, जेठ और दो अज्ञात लोगों ने उनकी बाइक रोक ली।

लखनऊ में सजेगा साहित्य का महाकुंभ, 108 साहित्यकारों को मिलेगा 'गीत ऋषि गोपाल दास नीरज स्मृति सम्मान'

अंतरराष्ट्रीय लेखक डॉ. विद्या सागर उपाध्याय का होगा विशेष सर्वदलीय नागरिक अभिनंदन

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

लखनऊ/वाराणसी। लखनऊ महानगर के कृष्णानगर स्थित अलीनगर सुनेहरा के एसएसडी पब्लिक स्कूल परिसर में अखिल भारतीय लेखक कवि कलाकार परिषद और काशी हिंदी विद्यापीठ के संयुक्त तत्वावधान में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं विशेष मानद सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। समारोह में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले साहित्यकार, कवि, लेखक और कलाकार हिस्सा लेंगे। इस अवसर पर कुल 108 साहित्यकारों एवं रचनाकारों को मंचीय और ऑनलाइन माध्यम से 'गीत ऋषि स्व. गोपाल दास नीरज स्मृति सम्मान-2026' प्रदान किया जाएगा। आयोजन के दौरान अंतरराष्ट्रीय लेखक, विचारक एवं समाज सुधारक डॉ. विद्या सागर उपाध्याय का विशेष सर्वदलीय नागरिक अभिनंदन भी किया जाएगा। समारोह को लेकर साहित्य जगत से जुड़े लोगों में उत्साह है। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम का उद्देश्य साहित्य, संस्कृति और सामाजिक सरोकारों से जुड़े रचनाकारों को सम्मानित करने के साथ नई पीढ़ी को साहित्यिक गतिविधियों से जोड़ना है। कार्यक्रम अखिल भारतीय लेखक कवि कलाकार परिषद और काशी हिंदी विद्यापीठ के कुलाधिपति कवि सुख मंगल सिंह 'मंगल', प्रयागराज के पूर्व जिला जज एवं अंतरराष्ट्रीय गजलकार डॉ. चंद्रभाल सुकुमार, पूर्व जिला जज एवं प्रख्यात कवि डॉ. राम लखन वर्मा, कर्नल डॉ. आदिशंकर मिश्र, विद्या-वाचस्पति डॉ. शिवनाथ सिंह ह्यशिवह्ल तथा डॉ. वीना सिंह ह्यरागीह्ल के प्रमुख संरक्षण में आयोजित किया जाएगा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा, बिहार के पूर्व कुलपति एवं आचार्यकुल के राष्ट्रीय अध्यक्ष

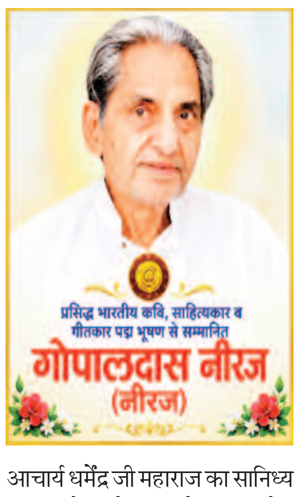

आचार्य धर्मेंद्र जी महाराज का सानिध्य भी समारोह को प्राप्त होगा। समारोह के मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय कवि एवं गीतकार डॉ. जय सिंह आर्य, दिल्ली होंगे। अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश के पूर्व शिक्षा निदेशक एवं अंतरराष्ट्रीय कवि डॉ. महेंद्र सिंह 'गौर' तथा कैप्टन सरोज सिंह उपस्थित रहेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. गीता पांडेय 'अपराजिता' और हरियाणा की युवा कवयित्री डॉ. सीमा रांगा 'इंद्रा' मौजूद रहेंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता काशी हिंदी विद्यापीठ के उपकुलपति डॉ. धर्मदेव यादव 'धर्मेश' करेंगे। कवि इंद्रजीत तिवारी 'निर्भीक' प्रमुख संयोजक की भूमिका निभाएंगे। डॉ. प्रमोद वाचस्पति 'सलिल जौनपुरी' और डॉ. तारकेश्वर मिश्र 'जिज्ञासु' सह संयोजक रहेंगे। कार्यक्रम के स्वागत संरक्षक के रूप में डॉ. पारसनाथ श्रीवास्तव, डॉ. ओमप्रकाश द्विवेदी 'ओम', डॉ. प्रमोद वाचस्पति 'सलिल जौनपुरी', कवि नंदलालमणि त्रिपाठी 'पीतांबर', डॉ. ओमप्रकाश पांडेय 'निर्भय', पवन कुमार सिंह एडवोकेट, कवि रविंद्र पांडेय 'निर्झर प्रतापगढ़ी', डॉ. वीरेंद्र सिंह कुसुमाकर और देहदानी रामानंद सैनी एडवोकेट सहित अन्य लोग सहयोग करेंगे। स्वागताध्यक्ष की जिम्मेदारी कवि गिरिराज शर्मा 'ठेठ मलिहाबादी', डॉ. राजेश शर्मा कानपुर, कवि अनुज प्रताप सिंह 'अनुज', डॉ. राम लखन वर्मा, नाट्य रंगकर्मी विजय कुमार गुप्ता तथा युवा कवि अमित कुमार शर्मा प्रयागराज निभाएंगे। आयोजकों के मुताबिक कार्यक्रम में भारत के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े 108 लोगों को 'गीत ऋषि स्व. गोपाल दास नीरज स्मृति सम्मान-2026' प्रदान किया जाएगा। इसमें उपस्थित रचनाकारों को मंच से सम्मानित किया जाएगा, जबकि कुछ साहित्यकारों को ऑनलाइन माध्यम से सम्मान प्रदान किया जाएगा। समारोह में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन भी आयोजित होगा, जिसमें चयनित रचनाकार अपनी रचनाएं प्रस्तुत करेंगे। अखिल भारतीय लेखक कवि कलाकार परिषद की महिला शाखा की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अनीता मिश्रा और मुख्य प्रदेश महामंत्री डॉ. सुमति श्रीवास्तव धन्यवाद एवं आभार व्यक्त करेंगी।

रोटरी क्लब वाराणसी सेंट्रल ने दस शिक्षाविदों को किया शिक्षा गौरव सम्मान से सम्मानित

शिक्षक समाज और राष्ट्र के भविष्य के निमार्ता, उनका सम्मान ज्ञान परंपरा का सम्मान: डॉ. रितु गर्ग

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। रोटरी क्लब वाराणसी सेंट्रल की ओर से सिगरा स्थित एक होटल में 'अलंकरण-शिक्षा गौरव सम्मान एवं टीचर्स फेलिसिटेशन सेरेमनी' का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले दस शिक्षाविदों को शिक्षा गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। समारोह में शिक्षकों के योगदान, शिक्षा के महत्व और समाज निर्माण में उनकी भूमिका पर वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पद्मश्री महामहोपाध्याय आचार्य डॉ. हरिहर कृपालु त्रिपाठी रहे। उनके सानिध्य और आशीर्वचन से समारोह की गरिमा और बढ़ गई। सम्मान समारोह के दौरान शिक्षाविदों को उनके शिक्षा क्षेत्र में किए गए योगदान के लिए सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर शिक्षाविदों ने रोटरी क्लब वाराणसी सेंट्रल के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रोटरी क्लब वाराणसी सेंट्रल की अध्यक्ष डॉ. रितु गर्ग ने कहा कि शिक्षक केवल विद्यार्थियों को शिक्षा देने का कार्य नहीं करते, बल्कि उनके व्यक्तित्व, सोच और भविष्य का निर्माण भी करते हैं। माता-पिता जीवन देते हैं, लेकिन शिक्षक उस जीवन को सही दिशा और उद्देश्य प्रदान करते हैं। इसलिए शिक्षक वास्तव में समाज और राष्ट्र के भविष्य के निमार्ता हैं।

उन्होंने कहा कि शिक्षक का सम्मान केवल शिक्षक दिवस तक सीमित नहीं रहना चाहिए। समाज को उनके योगदान को हमेशा सम्मान और कृतज्ञता के साथ याद करना चाहिए। एक शिक्षक द्वारा विद्यार्थी के जीवन में दिया गया ज्ञान, संस्कार और मार्गदर्शन लंबे समय तक उसके व्यक्तित्व को प्रभावित करता है। यही प्रभाव आगे चलकर समाज और राष्ट्र के निर्माण में दिखाई देता है। डॉ. रितु गर्ग ने कहा कि रोटरी का मूल मंत्र 'सर्विस अबव सेल्फ' है और इस वर्ष का थीम 'क्रिएट लास्टिंग इम्पैक्ट' भी शिक्षा के उद्देश्य से पूरी तरह जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि शिक्षक अपने ज्ञान और संस्कारों के माध्यम से विद्यार्थियों के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों पर भी स्थायी प्रभाव छोड़ते हैं। शिक्षा के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में अपने योगदान के लिए डॉ. प्रतिभा यादव, प्रियंका तिवारी, निशा यादव, केपी गुप्ता, अदिति गुलाटी, नीता कुमार गंगवार, प्रो. (डॉ.) एसके राय, प्रो. (डॉ.) आशुतोष मिश्रा, प्रो. (डॉ.) एमके श्रीवास्तव और मनोज गुप्ता को शिक्षा गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह के दौरान उपस्थित सदस्यों और अतिथियों ने सभी शिक्षाविदों के योगदान की सराहना की। मुख्य अतिथि पद्मश्री महामहोपाध्याय आचार्य डॉ. हरिहर कृपालु त्रिपाठी ने अपने संबोधन में शिक्षा, संस्कार और गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का सम्मान करना वास्तव में ज्ञान की समृद्ध परंपरा का सम्मान करना है। शिक्षक विद्यार्थियों को केवल विषय का ज्ञान नहीं देते, बल्कि उन्हें संस्कार, अनुशासन और जीवन मूल्यों से भी परिचित कराते हैं। उन्होंने सम्मानित शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण पर विशेष जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान क्लब सचिव रोटेरियन ललित कुमार गुप्ता ने सचिवीय रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने क्लब की ओर से किए गए सेवा कार्यों और सामाजिक गतिविधियों की जानकारी दी। साथ ही आगामी कार्यक्रमों और गतिविधियों की रूपरेखा भी उपस्थित सदस्यों एवं अतिथियों के सामने रखी। उन्होंने कहा कि रोटरी क्लब वाराणसी सेंट्रल लगातार सेवा, सामाजिक सरोकार और जनहित से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने आगामी कार्यक्रमों में सभी सदस्यों से सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया। समारोह में रोटरी क्लब वाराणसी सेंट्रल के कोषाध्यक्ष रोटेरियन सीए रवि कुमार सिंह, क्लब ट्रेनर रोटेरियन मनोज कुमार जाजोदिया सहित बड़ी संख्या में रोटेरियन सदस्य और उनके जीवनसाथी मौजूद रहे।

एसआरएमआईएसटी दिल्ली-एनसीआर में इंजीनियर्स वीक 2026 का भव्य शुभारंभ

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। तकनीकी नवाचार, कौशल विकास और भविष्य की चुनौतियों के लिए विद्यार्थियों को तैयार करने के उद्देश्य से एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, दिल्ली-एनसीआर परिसर, गाजियाबाद में 15 सितंबर से 22 सितंबर तक इंजीनियर्स वीक 2026 का आयोजन किया जा रहा है। सप्ताहभर चलने वाले इस कार्यक्रम की शुरूआत मंगलवार को आयोजित उद्घाटन समारोह के साथ हुई। इस वर्ष आयोजन का मुख्य विषय 'एक बेहतर कल के लिए इंजीनियर' रखा गया है,

जिसके माध्यम से तकनीकी प्रगति, नवाचार और समाज के बेहतर भविष्य में इंजीनियरों की भूमिका को रेखांकित किया जा रहा है। समारोह का शुभारंभ मंगलाचरण, दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। पारंपरिक दीप प्रज्वलन ने समारोह को औपचारिक रूप दिया, वहीं सरस्वती वंदना के माध्यम से ज्ञान और शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया गया। कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. नीलम सिंह ने स्वागत संबोधन प्रस्तुत किया। उन्होंने समारोह में उपस्थित अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए इंजीनियरिंग शिक्षा में व्यावहारिक ज्ञान, नवाचार और कौशल विकास की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। अधिष्ठाता डॉ. आर. पी. महापात्रा ने इंजीनियर्स दिवस के अवसर पर अपना संबोधन दिया। उन्होंने इंजीनियरों की बदलती भूमिका और तकनीकी क्षेत्र में हो रहे तीव्र बदलावों पर चर्चा की। समारोह का प्रमुख आकर्षण विशेषज्ञ व्याख्यान रहा, जिसमें एलिसम ग्लोबल, नोएडा के मुख्य परिचालन अधिकारी भास्कर दास ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। इस सप्ताह भर लंबे आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों को विभिन्न शैक्षणिक एवं तकनीकी गतिविधियों में भाग लेने और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अपने ज्ञान को व्यावहारिक रूप देने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम के समापन चरण में कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के उप-विभागाध्यक्ष डॉ. निरंजन लाल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने समारोह को सफल बनाने में सहयोग देने वाले अतिथियों, विश्वविद्यालय प्रशासन, शिक्षकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया। अंत में समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

राहुल शर्मा बने जवाहर बाल मंच के राष्ट्रीय समन्वयक

राष्ट्रीय स्तर पर मिली नई जिम्मेदारी, कांग्रेस कार्यकताओं में खुशी

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के जवाहर बाल मंच विभाग में राहुल शर्मा को राष्ट्रीय समन्वयक मनोनीत किया गया है। उनका मनोनयन जवाहर बाल मंच के चेयरमैन डॉ. जी.बी. हरि द्वारा किया गया है। राहुल शर्मा को राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने की जानकारी के बाद मोदीनगर क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकताओं एवं समर्थकों में खुशी का माहौल है। कार्यकताओं ने राहुल शर्मा को बधाई देते हुए कहा कि संगठन के प्रति उनकी सक्रियता, समर्पण और जनसेवा की भावना को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी मिलना महत्वपूर्ण है। कार्यकताओं का कहना है कि जवाहर बाल मंच के

माध्यम से बच्चों और युवाओं से जुड़े मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी ढंग से उठाने की दिशा में राहुल शर्मा की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। नई जिम्मेदारी के माध्यम से संगठनात्मक गतिविधियों को मजबूत करने और अधिक से अधिक बच्चों एवं युवाओं को मंच से जोड़ने की दिशा में भी उनसे सक्रिय भूमिका की उम्मीद जताई गई है। राहुल शर्मा के मनोनयन पर कांग्रेस कार्यकताओं ने उनके उज्ज्वल भविष्य एवं सफल कार्यकाल की कामना करते हुए विश्वास जताया कि वह नई जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करेंगे। राष्ट्रीय समन्वयक की जिम्मेदारी मिलने पर राहुल शर्मा को क्षेत्रीय कार्यकताओं, समर्थकों एवं शुभचिंतकों ने हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

शिक्षा में उत्कृष्टता और नवाचार के लिए उपमुख्यमंत्री ने प्रधानाचार्य को किया सम्मानित

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉ के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल को एमिटी इंटरनेट एमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा में आयोजित सम्मान समारोह में उत्तर प्रदेश सरकार में उपमुख्यमंत्री डॉ बृजेश पाठक ने शिक्षा में उत्कृष्ट और नवाचार के लिए प्रशिक्षण प्रशस्ति पत्र और अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया।

यह सम्मान उनको विद्यालय के विद्यार्थियों को ज्ञान मार्ग पर नियंत्रण बढ़ाने के लिए प्रेरित करने के लिए अपने उत्कृष्ट शिक्षण से छात्रों के चहूंमुखी विकास करने में अपना संपूर्ण समर्पण और योगदान के लिए दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि डॉक्टर के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मंडल ही नहीं बल्कि प्रदेश में अपना महत्वपूर्ण स्थान रखता

है। विद्यालय के छात्र शासन, प्रशासन ,विभाग द्वारा चलाये जा रहे जागरूक कार्यक्रमों में अपना सक्रिय योगदान देते हैं।

सतीश चंद्र अग्रवाल को शिक्षक दिवस पर गाजियाबाद प्रशासन और शिक्षा विभाग द्वारा गाजियाबाद में भी संयुक्त रूप से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया था।

पिछले वर्ष भी उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस पर भी गाजियाबाद प्रशासन द्वारा गाजियाबाद गौरव अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

उड़ान स्कूल के बच्चों को रोटरी क्लब साउथएंड ने वितरित की यूनिफॉर्म व स्टेशनरी

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद साउथ एंड द्वारा 'सेवा से संस्कार, शिक्षा से सशक्तिकरण' की भावना के साथ 15 सितंबर को उड़ान स्कूल, राजनगर में विद्यार्थियों के लिए यूनिफॉर्म एवं स्टेशनरी वितरण प्रोजेक्ट का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को स्कूल यूनिफॉर्म, किताबें, कॉपियां एवं आवश्यक स्टेशनरी सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम के विशेष अतिथि एजी रोटेरियन अजय शर्मा रहे। प्रोजेक्ट का प्रायोजन रोटेरियन राकेश गोयल एवं रोटेरियन रेनू गोयल (सुपरकूल) द्वारा किया गया। इस अवसर पर एजी रोटेरियन अजय शर्मा ने क्लब के सेवा कार्य की सराहना करते हुए कहा कि स्कूल यूनिफॉर्म बच्चों में

आत्मविश्वास, समानता और स्कूल से जुड़ाव की भावना को बढ़ाती है। वहीं किताबें, कॉपियां एवं स्टेशनरी उनकी शिक्षा को सुगम बनाने के साथ उन्हें अपने सपनों की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं। क्लब अध्यक्ष रोटेरियन डॉ. आलोक गोयल ने सभी सदस्यों एवं टीम का आभार व्यक्त करते हुए प्रोजेक्ट के प्रायोजक रोटेरियन राकेश गोयल एवं रोटेरियन रेनू गोयल का विशेष धन्यवाद किया। रोटेरियन नीतू अग्रवाल ने कहा कि ऐसे सेवा प्रकल्पों के माध्यम से बच्चों के भविष्य में शिक्षा, सम्मान और उम्मीद के रंग भरे जा सकते हैं। क्लब सचिव रोटेरियन अर्चना अग्रवाल ने उड़ान स्कूल की संचालिका सपना जी एवं विशेष रूप से शालिनी का इस नेक कार्य में सहयोग एवं महत्वपूर्ण भूमिका के लिए विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने विद्यालय के सभी शिक्षकों को भी सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में रोटेरियन डॉ. आलोक गोयल, रोटेरियन राकेश गोयल, रोटेरियन प्रवीण अग्रवाल, रोटेरियन हिमांशु अग्रवाल, रोटेरियन पंकज गोयल, रोटेरियन गिरीश पुरी, रोटेरियन पुनीत गुप्ता, रोटेरियन सुमित गर्ग, रोटेरियन सचिन गोयल, रोटेरियन ज्ञानेंद्र सिंह, रोटेरियन मनु अग्रवाल, रोटेरियन प्रमोद चौधरी, रोटेरियन मुकेश गोयल (वीनस), रोटेरियन मुकेश गोयल (रेमंड्स), रोटेरियन नीतू अग्रवाल, रोटेरियन अर्चना अग्रवाल, रोटेरियन विनिता अग्रवाल, रोटेरियन डॉ. पूजा गुप्ता, रोटेरियन अंशु संकल्प एवं रोटेरियन रेनू गोयल सहित क्लब के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। रोटरी क्लब साउथ एंड ने भविष्य में भी जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा एवं सर्वांगीण विकास के लिए ऐसे सेवा कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 20-21 सितम्बर को

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी मीटिंग 20-21 सितंबर 2026 को शिव धाम, शुक्रताल, मुजफ्फरनगर में आयोजित की जा रही है !

कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष बीडी शर्मा जी करेंगे कार्यक्रम के मुख्य संयोजक पुष्कर कृष्ण जी महाराज राष्ट्रीय संरक्षक अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा एवं सहसंयोजक प्रमोद कुमार पांडे अध्यक्ष पश्चिमी उत्तर प्रदेश, कुंवर पाल शर्मा सचिव उत्तर प्रदेश, परभवन दीक्षित जिला अध्यक्ष मुजफ्फरनगर द्वारा किया जा रहा है।

कार्यक्रम में भारतवर्ष के विभिन्न राज्यों से कार्यकारिणी के सदस्यों को आमंत्रित किया गया है। उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, हिमाचल, प्रदेश

छत्तीसगढ़, बिहार, गुजरात, महाराष्ट्र आदि राज्यों से कार्यकारिणी के सदस्य उपस्थित होंगे यह कार्यक्रम दो दिन का रहेगा सभी से निवेदन है कि समय पर पहुंचने की कृपा करें व्हाट्सएप के माध्यम से राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्यों को एजेंडा भेज दिया गया है आप इस कार्यक्रम में अवश्य उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएं।

पश्चिमी यूपी की सियासत में जीत की राह गांव से होकर गुजरती है

पंचायत और ग्रामीण राजनीति की समझ रखने वाले ब्रजवीर दहिया पर राजनीतिक दलों की नजर क्यों जरूरी ?

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति में आने वाले समय में जिस दल को अपनी मजबूत राजनीतिक जमीन तैयार करनी है, उसके लिए गांव और ग्रामीण नेतृत्व को नजरअंदाज करना आसान नहीं होगा। पश्चिमी यूपी की सियासत में शहरों की भूमिका महत्वपूर्ण है, लेकिन चुनावी जमीन की असली ताकत आज भी गांवों, किसान समाज, पंचायतों और स्थानीय नेतृत्व में दिखाई देती है।ऐसे राजनीतिक परिवेश में ब्रजवीर दहिया, राष्ट्रीय अध्यक्ष, ऑल इंडिया पंचायती राज संगठन का नाम महत्वपूर्ण हो जाता है। दहिया पिछले 26 वर्षों से

पंचायत और ग्रामीण परिवेश से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय हैं। लंबे समय तक ग्राम प्रधानों, पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीण नेतृत्व के बीच काम करने के कारण उन्हें पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ग्रामीण राजनीतिक और सामाजिक परिवेश की जमीनी समझ रखने वाले लोगों में गिना जा सकता है। उनकी खासियत यह है कि उनका अनुभव किसी एक विधानसभा या एक चुनाव तक सीमित नहीं है। उन्होंने वर्षों तक गांव के स्तर पर काम करते हुए यह समझ विकसित की है कि ग्रामीण समाज किन मुद्दों पर प्रतिक्रिया देता है, पंचायत प्रतिनिधियों की वास्तविक अपेक्षाएं क्या हैं और स्थानीय नेतृत्व किस तरह राजनीतिक माहौल को प्रभावित करता है। राजनीतिक दलों के लिए क्यों महत्वपूर्ण है ग्रामीण नेटवर्क?..

पश्चिमी यूपी में राजनीतिक दल अक्सर जातीय समीकरणों और बड़े चेहरों के आधार पर अपनी रणनीति बनाते हैं। लेकिन केवल जातीय गणित चुनाव जीतने के लिए पर्याप्त नहीं होता। गांव में व्यक्तिगत संपर्क, स्थानीय नेतृत्व और पंचायत स्तर का नेटवर्क भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यहीं पर ब्रजवीर दहिया जैसे लोगों की भूमिका सामने आती है। अगर कोई राजनीतिक दल पश्चिमी उत्तर प्रदेश में लंबे समय के लिए अपना संगठन मजबूत करना चाहता है, तो उसे केवल चुनाव के समय नेताओं से संपर्क करने के बजाय ऐसे लोगों से संवाद करना होगा, जो वर्षों से गांव और ग्रामीण नेतृत्व के बीच सक्रिय रहे हैं। 26 वर्षों का अनुभव बना अलग पहचान-ब्रजवीर दहिया ने पंचायत और ग्रामीण अधिकारों से जुड़े मुद्दों को लंबे समय से उठाया है। यही लंबा राजनीतिक-सामाजिक अनुभव उन्हें पश्चिमी यूपी के ग्रामीण परिवेश में एक अलग पहचान देता है। आज जब राजनीतिक दल पश्चिमी उत्तर प्रदेश में नए सामाजिक और राजनीतिक समीकरण तलाश रहे हैं, तब सवाल केवल यह नहीं है कि किसके पास कितने वोट हैं। बड़ा सवाल यह भी है कि किसके पास गांव की नब्ज समझने और ग्रामीण नेतृत्व को साथ जोड़ने की क्षमता है। यही वह क्षेत्र है जहां दहिया की उपयोगिता राजनीतिक दलों के लिए महत्वपूर्ण हो सकती है।

सर्विलांस का 'सटीक वार', 555 मोबाइल बरामद, मालिकों के चेहरे खिले

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। नगर जोन पुलिस कमिश्नरेट की सर्विलांस टीम और विभिन्न थानों की पुलिस ने चोरी, स्नैचिंग व गुम हुए मोबाइल फोन की शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए विभिन्न कंपनियों के 555 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद मोबाइलों की अनुमानित कीमत करीब 1.55 करोड़ रुपये बताई गई है। पुलिस ने पहचान और सत्यापन के बाद सभी मोबाइल उनके वास्तविक स्वामियों को सौंप दिए। पुलिस के अनुसार सीईआईआर (Central Equipment Identity Register) पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के आधार पर सर्विलांस एवं मैनुअल इनपुट की मदद ली गई। सर्विलांस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों का गहन विश्लेषण कर मोबाइलों की लोकेशन और अन्य तकनीकी जानकारी जुटाई, जिसके बाद बरामदगी संभव हो सकी। थानावार बरामदगी में कोतवाली नगर से 103, विजयनगर से 91, कविनगर से 64, मधुबन बापूधाम से 67, सिहानीगेट से 56, नंदग्राम से 52, वेवसिटी से 54, क्रॉसिंग रिपब्लिक से 55 और साइबर थाना पुलिस ने 13 मोबाइल बरामद किए।

आर.के.जी.आई.टी. एलुमनी एसोसिएशन द्वारा हैदराबाद चैप्टर 1.0 का सफल आयोजन

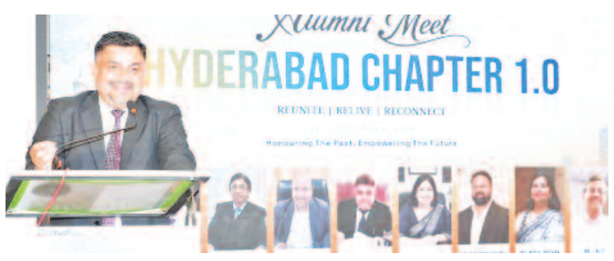

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाज़ियाबाद। राज कुमार गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आर.के.जी.आई.टी.) एलुमनी एसोसिएशन द्वारा एलुमनी मीट 2026 - हैदराबाद चैप्टर 1.0का सफल आयोजन 12 सितम्बर 2026 को लेमन ट्री प्रीमियर, हाईटेक सिटी, हैदराबाद में किया गया। इस अवसर पर हैदराबाद एवं आसपास के क्षेत्रों में कार्यरत पूर्व छात्रों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और अपने महाविद्यालय जीवन की यादों को पुनः जीवंत किया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण आर.के.जी.आई.टी. के प्रथम बैच, वर्ष 2004, के पूर्व छात्रों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. रितु अग्रवाल, सचिव, आर.के.जी. आई.टी. एलुमनी एसोसिएशन के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने एलुमनी एसोसिएशन की गतिविधियों तथा देश के विभिन्न शहरों में आयोजित किए जा रहे पूर्व छात्र अध्यायों के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। डॉ. बी. सी. शर्मा, निदेशक, आर.के.जी.आई.टी. ने संस्थान के वर्तमान शैक्षणिक एवं आधारभूत विकास तथा विभिन्न उत्कृष्टता केंद्रों की जानकारी साझा की। वहीं डॉ. डी. के. चौहान, कार्यकारी निदेशक, आर.के.जी. समूह संस्थान ने अंतरराष्ट्रीय सहयोग एवं वैश्विक विस्तार की दिशा में संस्थान की पहलों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर डॉ. विपुल गोयल, डॉ. ललित सारस्वत, सौरभ सिंह एवं सुश्री निशि पाठक सहित संस्थान के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में डॉ. आर. के. यादव, अधिष्ठाता-शैक्षणिक द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। हैदराबाद चैप्टर 1.0 केवल एक पूर्व छात्र मिलन समारोह नहीं, बल्कि यादों, रिश्तों, संपर्क और आर.के.जी.आई.टी. से जुड़ाव का यादगार उत्सव बन गया। आर.के. जी. आई.टी. एलुमनी एसोसिएशन भविष्य में भी विभिन्न शहरों में ऐसे आयोजन कर एक बार आर.के.जी.आई.टी.यन, हमेशा आर.के.जी.आई.टी.यन' की भावना को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

बाल्मीकि सभागार पर कब्जे की शिकायत, महापौर ने दिए जांच के आदेश, कर्मचारी नेताओं पर लगाए गंभीर आरोप

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। हिण्डन विहार स्थित नगर निगम के बाल्मीकि सभागार पर कथित कब्जे का मामला सामने आने के बाद नगर निगम में हलचल मच गई है। कई पार्षदों और पार्टी कार्यकताओं ने महापौर सुनीता दयाल को शिकायत देकर आरोप लगाया है कि नगर निगम द्वारा क्षेत्रवासियों की सुविधा के लिए बनाए गए बाल्मीकि सभागार पर कुछ लोगों ने कब्जा कर रखा है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि सभागार में ताला लगाकर रखा जाता है और रात के समय यहां गलत गतिविधियां होने की बात भी सामने आई है। मामले को गंभीरता से लेते हुए महापौर ने तत्काल जांच कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। करीब एक वर्ष पूर्व गाजियाबाद नगर निगम की ओर से हिण्डन विहार में बाल्मीकि सभागार का निर्माण कराया गया था। इसका उद्देश्य आसपास रहने वाले लोगों को सामाजिक और पारिवारिक कार्यक्रमों के लिए बेहतर स्थान उपलब्ध कराना था। क्षेत्रवासियों को उम्मीद थी कि सभागार में शादी,

बेटी-बेटे के कार्यक्रम, बैठक और अन्य सार्वजनिक आयोजन आसानी से किए जा सकेंगे। नगर निगम के निर्माण विभाग की ओर से सभागार को संपत्ति विभाग को हस्तांतरित करने के लिए पत्राचार भी किया जा चुका है। इसी बीच महापौर के सामने शिकायत पहुंची कि सभागार का उपयोग क्षेत्रवासियों की सुविधा के बजाय कुछ लोगों द्वारा निजी तौर पर किया जा रहा है। शिकायतकताओं का आरोप है कि कर्मचारी नेताओं से जुड़े कुछ लोगों ने सभागार पर अपना ताला लगा रखा है। इससे स्थानीय लोगों को नगर निगम की ओर से बनाए गए भवन का लाभ नहीं मिल पा रहा है। रात के समय सभागार में संदिग्ध गतिविधियां होने की शिकायत भी महापौर के संज्ञान में लाई गई है। शिकायत मिलने के बाद महापौर सुनीता दयाल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को जांच के निर्देश दिए। उन्होंने संपत्ति विभाग के अधिकारियों से भी बातचीत कर पूरे मामले की जानकारी ली है।

हाईराइज सोसाइटी में उल्लुओं का आतंक, सात के परिवार का वन विभाग ने किया रेस्क्यू

कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा वेस्ट (वेलकम इंडिया)। हाईराइज सोसाइटी में पिछले कई दिनों से उल्लुओं के हमलों से लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ था। बताया जा रहा है कि उल्लुओं के हमले में कई लोग घायल हो चुके थे। इसके बाद सोमवार को वन विभाग की टीम ने विशेष अभियान चलाकर सात उल्लुओं के पूरे परिवार को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया। काफी मशक्कत के बाद उल्लुओं को पकड़ने में सफलता मिली। रेस्क्यू के बाद सोसाइटीवासियों ने राहत की सांस ली। घटना के बाद वन विभाग ने लोगों से जंगली जीवों से दूरी बनाए रखने की अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि वन्यजीवों को खुद पकड़ने या

उनके साथ छेड़छाड़ करने के बजाय तत्काल वन विभाग को सूचना देनी चाहिए। इससे लोगों की सुरक्षा के साथ वन्यजीवों को भी सुरक्षित रखा जा सकता है।

Office of the Executive Officer, Nagar Palika Parishad Modinagar

Address:- Hapur Road Modinagar

Press Notice for Short Term Manual Tender

Letter NO: 1089 /NPP Modinagar/2026 Dated: 14-09-2026

The Nagar Palika Parishad Modinagar invites the Item/percentage rate bids through ***Manual system*** from the eligible Contractors may be. **The Bidder may submit bids for any or all of the works. Name of work as per table.**

S. No	Name of work	Total estimated cost (in Lakh)	Bid security (EMD)	Cost of Bid document including GST (if any) (in Rupees)	Period of completion including rainy season
1	2	3	4	5	6
1	Supply of PCC POLE CLAMP WITH NUT BOLT	4,50,000-00	22,500-00	500 + 90 = 590	10 दिन
2	Supply of GI STEEL TUBE & FITTINGS BEND 42_OD X 2ft .Length	4,20,000-00	21,000-00	500 + 90 = 590	10 दिन
3	Supply of 110 MM PVC END CAP, TEE, ELBOW & SOCKET.	4,21,000-00	20,500-00	500 + 90 = 590	10 दिन
4	Supply of 41 HP Submersible Pump KSB Make Model-BPH373/4 + HB413	4,00,000-00	20,000-00	400 + 72 = 472	10 दिन

5. Date of availability of Bid documents in the office as mentioned in NIT:- **14-09-2026 to 19-09-2026 Between 10:00 AM to 02:00 PM.**
6. **Last Date/ Time** for receipt of bids **19-09-2026** upto 02:00 PM in the office of the Nagar Palika Parishad Modinagar.
7. Date of opening of bids: **19-09-2026** at 03:00 PM
8. Bid documents and other details consisting of eligibility criteria of bidders, Quantity, specifications and the set of terms & conditions of contract to be complied with by the Contractor can be down loaded from the website: **www.nppmodinagar.com** For further details please contact office Nagar Palika Parishad Modinagar.

Executive Officer
Nagar Palika Parishad Modinagar

Chairman
Nagar Palika Parishad Modinagar

बलदेव छठ दंगल का 657वां महोत्सव, राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पहलवानों से सजेगा अखाड़ा

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गांव सदरपुर रईसपुर में श्री बलदेव छठ दंगल महोत्सव की 657वीं वर्षगांठ 17 और 18 सितंबर को श्रद्धा, परंपरा और खेल भावना के साथ मनाई जाएगी। दो दिवसीय आयोजन में देश के विभिन्न हिस्सों से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के पहलवान पहुंचकर अपना दमखम दिखाएंगे।

आयोजकों के अनुसार 17 सितंबर को दोपहर दो बजे दंगल का शुभारंभ होगा, जबकि 18 सितंबर को सुबह सात बजे से मुख्य दंगल शुरू होगा।

दिनभर पहलवानों के बीच रोमांचक मुकाबले होंगे। आयोजन के माध्यम से युवाओं को नशे और गलत संगत से दूर रहकर खेलों से जुड़ने का संदेश भी दिया जाएगा। सदरपुर में बलदेव छठ महोत्सव से जुड़ी अनूठी परंपरा के तहत पूजा-अर्चना पूरी होने तक घरों में चूल्हा नहीं जलाया जाता। ग्रामीण इसे आस्था और सामाजिक एकजुटता का प्रतीक मानते हैं। 18 सितंबर की रात आठ बजे हरियाणवी रागिनी प्रतियोगिता होगी, जिसमें सुरेश हडोली, सुंद्रा शर्मा, आरती भूरिया और नरेश मढ़ाना प्रस्तुति देंगे। आयोजन की जिम्मेदारी समस्त युवा कमेटी व पार्षद वार्ड-30 ओमवीर सिंह संभाल रहे हैं।

ऑनलाइन बुकिंग से किसानों को समय पर मिलेगी खाद, पराली जलाने पर सख्ती

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। किसानों को जरूरत के अनुसार समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए ऑनलाइन खाद बुकिंग व्यवस्था की जानकारी देने को उर्वरक विक्रेताओं और समिति सचिवों का प्रथम स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

फ्रेमवर्क फॉर फर्टिलाइजर सेल (एफएफएस) के तहत आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता उप कृषि निदेशक ने की। जिला कृषि अधिकारी अमित कुमार ने उर्वरक की उपलब्धता, वितरण और बिक्री व्यवस्था को पारदर्शी रखने के निर्देश दिए। किसानों को ऑनलाइन बुकिंग की जानकारी देने के साथ विक्रेताओं को सहयोग करने के लिए कहा गया। पोर्टल प्रबंधन की जानकारी डॉ. शताक्षी ने दी।

कार्यक्रम में पराली न जलाने की शपथ भी दिलाई गई। अधिकारियों ने बताया कि पराली जलाने से वायु प्रदूषण बढ़ने के साथ मिट्टी की उर्वरा शक्ति प्रभावित होती है।

फसल अवशेषों का मल्चर व हैप्पी सीडर से प्रबंधन किया जा सकता है। सभी खाद, बीज और कीटनाशी विक्रेताओं को प्रतिष्ठानों पर जागरूकता पोस्टर लगाने के निर्देश दिए गए। पराली जलाने पर 5 हजार से 30 हजार तक क्षतिपूर्ति का प्रावधान है।

गैंगस्टर एक्ट में फरार 25 हजार का इनामी गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। गैंगस्टर एक्ट के मामले में फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी आरोपी को विजयनगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को आरोपी के संबंध में सूचना मिली थी, जिसके आधार पर टीम ने कार्रवाई करते हुए उसे दबोच लिया। एसीपी कोतवाली उपासना पांडेय ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान अमन के रूप में हुई है। वह क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र के भीमनगर का रहने वाला है। आरोपी गैंगस्टर एक्ट के मामले में फरार चल रहा था और उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस के अनुसार, विजयनगर पुलिस को आरोपी के संबंध में सूचना मिली थी। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब आरोपी के आपराधिक इतिहास की भी जानकारी जुटा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फरार और इनामी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत अमन की गिरफ्तारी की गई है। आरोपी के खिलाफ आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

पीएम स्वनिधि मेले में उमड़ा जनसैलाब, 450 लोगों ने लिया योजनाओं का लाभ

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। पीएम स्वनिधि योजना से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के उद्देश्य से नगर निगम क्षेत्र में लोक कल्याण मेले का आयोजन किया जा रहा है। मंगलवार को उत्तरांचल भवन, नन्दग्राम में आयोजित मेगा लोक कल्याण मेले में 450 लोगों ने प्रतिभाग किया। मेले में लोगों को पीएम स्वनिधि योजना की जानकारी देने के साथ आवेदन भी कराए गए।

अधिकारियों ने योजना के तहत मिलने वाले क्रेडिट कार्ड और उसके लाभों की जानकारी प्रतिभागियों को दी। इसके अलावा फूड सेफ्टी विभाग की ओर से 35 लोगों को खाद्य सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

परियोजना अधिकारी, जिला नगरीय विकास अभिकरण ने बताया कि शासन और सूडा लखनऊ के निर्देश पर 1 से 30 सितंबर तक नगर निकायों में लोक कल्याण मेले आयोजित किए जा रहे हैं। नगर निगम गाजियाबाद में प्रत्येक मंगलवार को मेगा मेले का आयोजन किया जा रहा है। योजना से वंचित अथवा इच्छुक लोग 22 और 29 सितंबर को उत्तरांचल भवन, नन्दग्राम पहुंचकर जानकारी लेकर योजना का लाभ उठा सकते हैं।

लोनी में अलाउद्दीन ने अपनाया सनातन धर्म, नया नाम हुआ अखिलेश

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। लोनी क्षेत्र में हिंदू रक्षा दल की ओर से अलाउद्दीन की सनातन धर्म में वापसी कराए जाने का मामला सामने आया है। संगठन के पदाधिकारियों के अनुसार अलाउद्दीन ने अपनी इच्छा से सनातन धर्म अपनाने का निर्णय लिया। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन-पूजन कराया गया और उन्हें नया नाम अखिलेश दिया गया। धार्मिक विधि-विधान के तहत जनेऊ भी धारण कराया गया। आयोजकों के मुताबिक कार्यक्रम के दौरान सनातन धर्म से जुड़े धार्मिक संस्कार और परंपराएं पूरी की गईं। इस दौरान अखिलेश ने कहा कि उन्होंने सनातन धर्म को समझने और अपनी मान्यता के आधार पर स्वेच्छा से यह निर्णय लिया है। उन्होंने किसी प्रकार के दबाव से इनकार करते हुए इसे अपनी व्यक्तिगत इच्छा बताया। हिंदू रक्षा दल के कार्यकताओं ने अखिलेश का स्वागत करते हुए इसे सनातन धर्म में उनकी वापसी बताया। कार्यक्रम में संगठन से जुड़े कई लोग मौजूद रहे।

पुराने व्यावसायिक वाहन स्क्रैप कर नए BS-VI/EV/CNG वाहन खरीदें

सरकार देगी ब्याज व टैक्स में बड़ी छूट

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। परिवर्तन योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर मंगलवार को संभागीय परिवहन कार्यालय में परिवहन ऑपरेटरों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) अशोक कुमार श्रीवास्तव ने की। उन्होंने बताया कि एनसीआर में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण और पर्यावरण संरक्षण के लिए अत्यधिक प्रदूषणकारी पुराने व्यावसायिक वाहनों को हटाकर नए वाहनों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

योजना के तहत पुराने वाहन को पंजीकृत वाहन स्क्रैप सेंटर पर स्क्रैप कराने के बाद नए इर-श्क, उठऋ या इलेक्ट्रिक वाहन की खरीद पर ऋण ब्याज में पांच प्रतिशत अनुदान मिलेगा। नए इर-श्कवाहन पर निमार्ता की ओर से आठ प्रतिशत छूट भी दी जाएगी। नए वाहन पर 10 वर्ष तक मोटर वाहन कर में शत-प्रतिशत तथा पंजीकरण शुल्क में भी 100 प्रतिशत छूट का प्रावधान है। वहीं पुराने इर-श्कवाहन खरीदने पर 50 प्रतिशत टैक्स छूट मिलेगी।

एआरटीओ ने परिवहन ऑपरेटरों से योजना का अधिकाधिक लाभ उठाने और पात्र वाहन स्वामियों को जागरूक करने की अपील की। बैठक में सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन पर भी जोर दिया गया।

गैंगस्टर एक्ट में वांछित 25 हजार का इनामी गिरफ्तार

विजयनगर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दबोचा, लंबे समय से चल रहा था फरार

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। विजयनगर थाना पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में वांछित चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान अमन पुत्र वेदप्रकाश निवासी भीमनगर, क्रॉसिंग रिपब्लिक, गाजियाबाद के रूप में हुई है। पुलिस टीम ने 14 सितंबर को स्थानीय इनपुट और मुखबिर की सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को संतोष मेडिकल सर्विस रोड, विजयनगर से गिरफ्तार किया।

आरोपी के खिलाफ धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट के तहत मामला दर्ज है और वह लंबे समय से फरार चल रहा था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

इंजीनियर्स डे पर अक्से सजे स्मार्ट सिटी के सपने, एक्यूरेट के छात्रों ने दिखाया हुनर

कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा (वेलकम इंडिया)। एक्यूरेट ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में इंजीनियर्स डे के अवसर पर एआई, रिसर्च और इनोवेशन पर आधारित वर्कशॉप एवं प्रेजेंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें करीब 250 विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। कार्यक्रम में छात्रों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित स्मार्ट सिटी के मॉडल और नए विचार प्रस्तुत कर तकनीक के भविष्य की झलक दिखाई।

छात्रों ने स्मार्ट ट्रैफिक मैनेजमेंट, सुरक्षा, ऊर्जा प्रबंधन, स्वच्छ पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, विद्युतीकरण और डेटा आधारित शहरी सेवाओं से जुड़े मॉडल पेश किए।

इन मॉडलों के जरिए भविष्य के शहरों को स्मार्ट, सुरक्षित, स्वच्छ और टिकाऊ बनाने के समाधान बताए गए। निदेशक डॉ. सुनील मिश्रा ने इंजीनियरिंग, रिसर्च और इनोवेशन को राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण आधार बताया।

डीन इंजीनियरिंग डॉ. अभिषेक सक्सेना ने एआई को केवल करियर स्किल नहीं, बल्कि वास्तविक समस्याओं के समाधान का माध्यम बनाने पर जोर दिया।

चेयरपर्सन पूनम शर्मा ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि युवा इंजीनियर देश की तकनीकी प्रगति के प्रमुख निमार्ता हैं। उत्कृष्ट प्रोजेक्ट प्रस्तुत करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण में इंजीनियर्स डे पर रक्तदान शिविर, अधिकारियों-कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर किया दान

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। इंजीनियर्स डे के अवसर पर गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) कार्यालय परिसर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। उपाध्यक्ष के निर्देश पर आयोजित रक्तदान शिविर में प्राधिकरण के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए स्वैच्छिक रक्तदान किया। शिविर के दौरान रक्तदान को सामाजिक एवं मानवीय दायित्व बताते हुए लोगों को भी इसके लिए प्रेरित किया गया।

अधिकारियों ने कहा कि रक्तदान जरूरतमंद मरीजों के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शिविर का उद्देश्य रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। इस अवसर पर

अभियंताओं एवं अधिकारियों ने महान अभियंता एवं भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। उनके देश के निर्माण और विकास में योगदान को याद किया गया।

कार्यक्रम में कहा गया कि गाजियाबाद के सुनियोजित एवं सतत विकास में अभियंताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। जीडीए के अभियंता अपनी जिम्मेदारियों का निरंतर निर्वहन कर रहे हैं।

एक्स्ट्रा सीट वाले ऑटो पर यातायात पुलिस का शिकंजा, 300 सीटें उतरवाईं; 216 चालान, 15 सीज

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। ऑटो में अवैध एक्स्ट्रा सीट लगाकर और क्षमता से अधिक सवारी बैठाकर फरार्टा भरने वाले चालकों के खिलाफ यातायात पुलिस ने तीन दिवसीय विशेष अभियान शुरू किया है। 15 से 17 सितंबर तक चलने वाले अभियान के पहले दिन शहर के प्रमुख चौराहों, बस स्टैंड, मेट्रो स्टेशन और भीड़भाड़ वाले मार्गों पर सघन चेकिंग की गई।

चेकिंग के दौरान करीब 300 ऑटो से अवैध अतिरिक्त सीटें मौके पर उतरवाई गईं। वहीं यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर 216 ऑटो के चालान किए गए और 15 ऑटो सीज किए गए। पुलिस ने ऑटो के परमिट, फिटनेस प्रमाणपत्र, ड्राइविंग लाइसेंस समेत जरूरी दस्तावेजों का भी सत्यापन किया। यातायात पुलिस ने चालकों को चालक सीट के बगल में सवारी न बैठाने और ओवरलोडिंग से बचने की हिदायत दी। यात्रियों को भी सुरक्षा के लिहाज से चालक के बगल में बैठकर यात्रा नहीं करने के लिए जागरूक किया गया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि 17 सितंबर तक अभियान लगातार जारी रहेगा और नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी।

पैर पर थूकने का विरोध किया तो युवक को पीटा

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। शहीद स्थल मेट्रो स्टेशन के बाहर पैर पर थूकने का विरोध करने पर एक युवक के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि विरोध करने पर आरोपी ने युवक के साथ गाली-गलौज की और हमला कर दिया। मारपीट में युवक की आंख पर गंभीर चोट आई है। पीड़ित की बहन की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बजरिया स्थित रेलवे कॉलोनी निवासी सपना ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका भाई निक्कु 13 सितंबर को दिल्ली से वापस लौट रहा था। वह शहीद स्थल मेट्रो स्टेशन से बाहर निकला था। इसी दौरान आस मोहम्मद ने उसके पैर पर थूक दिया। निक्कु ने इस हरकत का विरोध किया तो आरोपी ने उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी।